राष्ट्र की सेवा में समर्पित

प्रभात अर्जुन

वर्ष : 5, अंक : 3
पृष्ठ : 8
शुक्रवार 1-15 अप्रैल 2016
मूल्य : ₹ 2.00
हिन्दी पाक्षिक

स्वास्थ्य जगत : जरूरत से ज्यादा नियंत्रण बच्चों में बढ़ाता है विकार ...
धर्म आस्था : ...चैत्र नवरात्रि का महत्व और पूजा विधान

फरीदाबाद
आर.एन.आई. नं. HARHIN/2012/41589
संपादक मनोज भारद्वाज

संपादकीय

सविधान एक खोज, सत्ता का सत्य

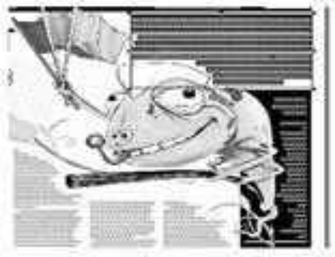

संक्षिप्त समाचार

13 अप्रैल को ह्र में पहली बार मनायी जाएगी अंबेडकर जयंती

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र में पहली बार भारतीय संविधान के रचयिता और दलित अधिकार कार्यकर्ता बी आर अंबेडकर की जयंती मनायी जाएगी जिसमें सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) हासिल करने के लिए असमानताओं से लड़ने पर ध्यान दिया जाएगा। संयुक्त राष्ट्र में भारत का स्थायी मिशन कल्पना सरोज फाउंडेशन और फाउंडेशन फार ह्यूमन होराइजन के सहयोग से अंबेडकर की जयंती से एक दिन पहले 13 अप्रैल को यहां संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में उनकी 125वीं जयंती मनाएगा। इस मौके पर वहां ''इन सतत विकास लक्ष्यों को हासिल करने के लिए असमानताओं से लड़ाई' विषय पर एक पैनल चर्चा का आयोजन किया जाएगा। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि सैयद अकबरूद्दीन ने ट्विटर पर लिखा, ''पहली बार संयुक्त राष्ट्र में बाबासाहब की जयंती मनाई जाएगी जिसमें सतत विकास लक्ष्यों को हासिल करने के लिए असमानताओं से लड़ने पर ध्यान दिया जाएगा।'' भारतीय मिशन द्वारा जारी किए गए एक नोट में कहा गया कि भारत अपने 'राष्ट्रीय प्रेरणास्रोत' की 125वीं जयंती मना रहा है जो करोड़ों भारतीयों और दुनिया भर में समानता एवं सामाजिक न्याय के समर्थकों के लिए प्रेरणा बने हुए हैं। इसमें कहा गया, ''हालांकि यह एक संयोग है, हम गरीबी, भूखमरी और सामाजिक-आर्थिक असमानता के 2030 तक खात्मे के लिए संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा अपनाए गए सतत विकास लक्ष्यों में उपयुक्त रूप से बाबासाहब की उज्ज्वल दृष्टि के निशान देख सकते हैं।'' अंबेडकर का जन्म 14 अप्रैल, 1891 को हुआ था। उनका निधन 1956 में हुआ था और उन्हें 1990 में मरणोपरांत भारत रत्न दिया गया था।

नाबालिग पर गैर इरादतन हत्या का केस दर्ज

नई दिल्ली। शहर के सिविल लाइन्स इलाके में अपने पिता की मर्सीडीज से एक व्यक्ति को कथित तौर पर कुचल डालने वाले 17 वर्षीय किशोर पर , लापरवाही से गाड़ी चलाने के उसके पिछले रिकॉर्ड को देखते हुए गैर इरादतन हत्या का आरोप लगाया गया है। डीसीपी नॉर्थ मधुर वर्मा ने बताया ''सीसीटीवी फुटेज की जांच करने पर, इस

बात की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता कि आरोपी किशोर रिहायशी इलाके में बहुत तेजी से गाड़ी चला रहा था जिसकी वजह से पीड़ित की जान गई।'' उन्होंने बताया ''जांच के दौरान यह भी पाया गया कि इस आरोपी किशोर का तेजी से और लापरवाही से गाड़ी चलाने का यह पहला अपराध नहीं है। पहले भी वह इसी तरह गाड़ी चलाते हुए एक अन्य वाहन के साथ दुर्घटना कर चुका है।'' पिछले साल इस किशोर का तेज गति से वाहन चलाने और गलत जगह पर पार्किंग करने के लिए तीन बार चालान हुआ था। वर्मा ने बताया ''इन तथ्यों पर गौर करते हुए सिद्धार्थ शर्मा की मौत गैर इरादतन हत्या का मामला है तथा प्राथमिकी में भारतीय दंड संहिता की धारा 304 जोड़ दी गई है।'' एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पिछली बार दिल्ली पुलिस ने 17 साल पहले बीएमडब्ल्यू मामले में संजीव नंदा के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज किया था। 10 जनवरी 1999 को दक्षिण दिल्ली के लोधी कालोनी इलाके में तड़के तेज गति से जा रही बीएमडब्ल्यू कार से कुचल तीन पुलिसकर्मियों सहित छह लोगों की मौत हो गई थी। यह कार कथित तौर पर नंदा चला रहा था

उपाध्यक्ष ने कहा- सियाचिन में मौतों के लिए भारत-पाकिस्तान को देना होगा जवाब

नई दिल्ली। जेएनयू छात्र संघ की उपाध्यक्ष शहला राशिद शोरा ने कहा कि सियाचिन में बहादुर सैनिक लांस नायक हनुमंथप्पा की मौत के मुद्दे पर भारत और पाकिस्तान की सरकारों को जवाब देना चाहिए। शहला ने हनुमंथप्पा को ''भगवान जैसा'' मानने पर भी सवाल उठाए और कहा कि उनकी जान दुश्मन की गोलियों ने नहीं ली, बल्कि उन्हें मौसम के

हालात और सुविधाओं की कमी के कारण जान गंवानी पड़ी। एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शहला ने कहा कि ''बलिदान के अलंकार'' का इस्तेमाल कर सैनिकों को कई अधिकारों से वंचित कर दिया जाता है । उन्होंने दावा किया कि थलसेना ''खुद मानती है'' कि कश्मीर में उसके जितने सैनिक लड़ाई में जान नहीं गंवाते, उससे ज्यादा सैनिक खुदकुशी कर जान गंवाते हैं । वामपंथी छात्र संगठन ऑल इंडिया स्टूडेंट्स असोसिएशन (आइसा) की सदस्य शहला ने कहा कि भगवान मानने की प्रक्रिया में न सिर्फ सैनिकों को, बल्कि महिलाओं को भी उनके अधिकारों से वंचित किया गया है । उन्होंने कहा, ''वे जब भी किसी को भगवान मानना शुरू करते हैं तो असल में वे उसे दबा रहे होते हैं और हम यह भारत माता के साथ देख सकते हैं ।'' शहला ने कहा, ''हमें बताया जाता है कि सैनिकों ने सीमा पर बलिदान दिया है । हनुमंथप्पा की मौत सीमा पर हुई । वे हमें यकीन दिलाना चाहेंगे कि उन्होंने देश के लिए बलिदान दिया । लेकिन हम हनुमंथप्पा की मौत पर जश्न क्यों मना रहे हैं ?'' उन्होंने कहा, ''क्या उनकी मौत दुश्मन की गोली से हुई ? क्या किसी पाकिस्तानी फिदायीन हमले में उन्होंने दम तोड़ा ? नहीं, वह जहां तैनात थे, वहां के मौसम के हालात के कारण उनकी मौत हुई और उन्हें उचित सुविधाएं नहीं दी गई ।'' शहला ने कहा, ''भारत और पाकिस्तान की सरकारों को लोगों को जवाब देना पड़ेगा ।''

पुत्तिंगल मंदिर में भीषण आग, 84 की मौत, पीएम मोदी करेंगे दौरा

कोल्लम। केरल के पुत्तिंगल मंदिर में रविवार सुबह करीब तीन बजे भीषण आग लग गई। जानकारी के मुताबिक इस आग में लगभग 80 लोग मारे गए हैं, वहीं 200 से ज्यादा लोग घायल बताए जा रहे हैं। यह हादसा सुबह 3.30 बजे के करीब हुआ। पुत्तिंगल मंदिर कोल्लम जिले में स्थित है। नवरात्र के कारण मंदिर में उत्सव मनाया जा रहा था। उत्सव में ही आतिशबाजी की गई थी। आतिशबाजी के कारण मंदिर के एक हिस्से में आग लग गई और देखते ही देखते आग इतनी भयानक हो गई कि लोगों को बचकर निकलने का मौका तक नहीं मिला। इस बीच खबर आई है कि रविवार को पीएम मोदी भी राज्य का दौरा करने वाले हैं। केरल में 4 दिन बाद नए साल का उत्सव मनाया जाना है। नए साल से पहले यहां पूजा का आयोजन होता है। इस मंदिर में दर्शन के लिए सैकड़ों लोगों की भीड़ मौजूद थी। देवी का यह मंदिर आतिशबाजी के लिए मशहूर है। यहां हर नवरात्र को आतिशबाजी की प्रतियोगिता भी होती है। इसे देखने के लिए देश और विदेश से सैकड़ों लोग आते हैं। आतिशबाजी और म्यूजिक के शोर में लोगों को पता ही नहीं चला कि क्या हुआ है। आग के बाद मंदिर परिसर में भगदड़ मच गई, जिसमें दबने से भी कई लोगों

की जानें गई हैं। केरल के सीएम ओमन चांडी मौके पर रवाना हो गए हैं। इस हादसे में मंदिर के पास बनी देवास्वोम बोर्ड बिल्डिंग पूरी तरह तबाह हो चुकी है। केरल सरकार की ओर से रविवार सुबह एक हेल्पलाइन नंबर (04742512344) जारी किया गया है। शुरुआती खबरों के अनुसार मंदिर परिसर में आतिशबाजी करने की इजाजत नहीं दी गई थी। एक अंग्रेजी अखबार के अनुसार गृहमंत्री चेन्निथला ने बताया कि मामले की न्यायिक जांच करवाई जाएगी। उन्होंने कहा सीएम ओमन चांडी भी घटनास्थल का दौरा करेंगे। हादसे में मारे गए और घायल लोगों के लिए जल्द ही मुआवजे का एलान किया जाएगा।

जो 'भारत माता की जय' नहीं बोलना चाहते, उन्हें हिन्द महासागर में फेंक देना चाहिए : साध्वी प्राची

शिर्डी। विश्व हिन्दू परिषद् की नेता साध्वी प्राची ने शनिवार (9 अप्रैल) को ऐसे लोगों के बारे में, जो 'भारत माता की जय' नहीं बोलना चाहते, उन्होंने कहा, ''इस तरह के लोगों को ''देश से बाहर निकाल देना चाहिए अथवा हिन्द महासागर में फेंक देना चाहिए।'' उन्होंने शनि शिंगणापुर मंदिर में महिलाओं के प्रवेश पर कहा कि उन्हें (महिलाओं को) मंदिरों में प्रवेश की अनुमति देनी चाहिये, हालांकि उन्हें माहवारी

के दौरान मंदिर में प्रवेश से रोका जा सकता है। साई बाबा मंदिर में दर्शन करने के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुये प्राची ने कहा इस आधुनिक समय में महिलाओं को मंदिरों में प्रवेश नहीं देना गलत है। उन्होंने कहा, ''हालांकि एक माह में पांच दिन की माहवारी के दौरान मंदिरों में महिलाओं के प्रवेश को रोका जा सकता है।'' उल्लेखनीय है कि महाराष्ट्र में अहमदनगर के शनि शिंगणापुर मंदिर के ट्रस्टियों ने उच्च न्यायालय के आदेश के बाद शुक्रवार (8 अप्रैल) को महिलाओं को पहली बार मंदिर के मुख्य भाग में प्रवेश की इजाजत दी थी।

गैर कश्मीरी छात्रों के परिजनों का दिल्ली कूच, केंद्र से मांगी मदद

श्रीनगर। श्रीनगर के राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) में अध्ययनरत गैर कश्मीरी विद्यार्थियों से कथित मारपीट, पुलिस द्वारा प्रताड़ित करने और धमकी दिए जाने की पृष्ठभूमि में, वहां पढ़ रहे राजस्थान के करीब चार सौ छात्रों के परिजन अपने बच्चों की सुरक्षा के लिए गुहार लगाने की लिए दिल्ली रवाना हो गये। श्रीनगर के एनआईटी में अध्ययनरत एक छात्र के पिता महेश चंद शर्मा ने कहा कि

राजस्थान के करीब चार सौ विद्यार्थी श्रीनगर के एनआईटी में अध्ययन कर रहे हैं लेकिन सभी विद्यार्थियों के परिजन पिछले दिनों की घटनाओं को लेकर चिंतित हैं जिनमें गैर कश्मीरी विद्यार्थियों को कथित तौर पर प्रताड़ित किया जा रहा है उन्हें धमकियां दी जा रहीं हैं। शर्मा ने कहा कि अपने बच्चों की सुरक्षा के लिए गुहार लगाने की खातिर सभी परिजन दिल्ली जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली में पहुंच कर मानव संसाधन विकास मंत्री स्मृति ईरानी सहित अन्य अधिकारियों से मिलने का प्रयास कर परिजन उनसे अपने बच्चों की सुरक्षा की गुहार लगायेंगे और एनआईटी को जम्मू में स्थानान्तरित करने की मांग करेंगे। श्रीनगर की एनआईटी में पढ़ रहे कोटा के विद्यार्थियों को एकजुट करने के काम में लगे सुधीर कुमार ने कहा कि कोटा से भी कई लोग दिल्ली के लिए रवाना हो गये हैं। उन्होंने कहा कि बच्चे डरे और सहमे हुए है और संस्थान में अपने कमरों से बाहर नहीं निकल रहे हैं। श्रीनगर के एनआईटी में गैर कश्मीरी विद्यार्थियों के साथ पुलिस की कथित मारपीट, प्रताड़ित करने और धमकियों से आहत बच्चों के परिजनों ने कल जयपुर और कोटा में प्रदर्शन कर केन्द सरकार से बच्चों की सुरक्षा के लिए गुहार लगाई।

प्रदेश में हुई हिंसक वारदातों के लिए पूरी तरह से भाजपा जिम्मेदार : हुड्डा

प्रभात अर्जुन : फरीदाबाद। प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री चौ. भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा है कि पूर्व की कांग्रेस सरकार ने आरक्षण देने की जो प्रक्रिया शुरु की थी, भाजपा ने डेढ़ वर्ष में उस प्रक्रिया को टू कार्बन कॉपी करने का काम किया है, अगर ऐसे ही कार्य करना था तो फिर प्रदेश में हिंसक वारदातें करवाकर इतने लोगों को मरवाने की क्या जरुरत थी। उन्होंने कहा कि प्रदेश में हुई हिंसक वारदातें भाजपा सरकार की विफलता को उजागर करती है। आज हरियाणा के ढाई करोड़ लोग यह जानना चाहते है कि ऐसी हिंसक वारदात आखिरकार क्यों हुई? जो हरियाणा प्रदेश कभी भाईचारे व अहिंसा के लिए विख्यात था, भाजपा राज में हुई हिंसा के बाद इस प्रदेश की छवि राष्ट्रीय स्तर पर धूमिल हुई है। श्री हुड्डा ने प्रदेश में हुई हिंसक घटनाओं की जांच हाईकोर्ट के पूर्व न्यायाधीश श्री झा को सौंपे जाने पर कहा कि वह इस जांच में पूरी तरह से अपना सहयोग देंगे। श्री हुड्डा आज राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित मैगपाई टूरिज्म में आयोजित कांग्रेस कार्यकर्ता सम्मेलन में उपस्थित जनसमूह को संबोधित कर रहे थे।

मैट्रो अस्पताल में लगाया गया निशुल्क मधुमेहर जांच शिविर

प्रभात अर्जुन/मनोज भारद्वाज

फरीदाबाद। विश्व स्वास्थ्य दिवस पर मैट्रो अस्पताल फरीदाबाद के प्रांगण में एक निशुल्क मधुमेह जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में करीब 50 ऐसे मरीजों की जांच की गई, जिनकी उम्र 40 वर्ष से ऊपर थी और उनमें मधुमेह के किसी प्रकार के लक्षण नहीं थे परंतु उनकी शुगर नियंत्रण में नहीं थी, जबकि 10 प्रतिशत मरीजों में डायबिटीज फुट एग्जामिनेशन में कमी पाई गई और उन्हें प्रोपर फुट केयर की जानकारी दी। शिविर में मरीजों की जांच एन्डोक्रोनोलोजिस्ट डा. नीलम पाण्डे द्वारा की गई। शिविर में आए करीब 75 प्रतिशत मरीजों में डायबिटीज के बारे में पर्याप्त जानकारी नहीं थी, उसके लिए काउंसलर ने मरीजों को बताया। शिविर में मरीजों की शुगर की जांच, पैरों की जांच, डाईट परामर्श के साथ-साथ निशुल्क परामर्श दिए गए। डा. नीलम पाण्डेय ने बताया कि डायबिटीज को लेकर अभी और जागरुकता की जरुरत है क्योंकि डायबिटीज एक ऐसा रोग है, जो हर उम्र के व्यक्ति को हो सकता है इसलिए हम अपनी दैनिक दिनचर्या के साथ-साथ व्यायाम को भी निरंतर प्राथमिकता देना चाहिए। डा. पाण्डेय ने कहा कि वर्ल्ड हैल्थ डे 2016 की थीम मधुमेह को कंट्रोल करना है। संपूर्ण साउथ ईस्ट एशियन देशों में लगभग 90 मिलियन मधुमेह के रोगी है, ये तेजी से फैलती बीमारी निम्न एवं मध्यम वर्ग के लोगों में अधिक है।

खान-पान पर नियंत्रण, नियमित व्यायाम तथा नियमित स्वास्थ्य जांच द्वारा इस रोग से बचा जा सकता है। उन्होंने बताया कि मधुमेह तीन प्रकार के होते है, उच्च रक्तचाप, कोलस्ट्राल संबंधी बीमारी होने पर मधुमेह का खतरा अधिक रहता है। उन्होंने बताया कि बहुत प्यास लगना, अत्यधिक भूख लगना, थकान महसूस होना, बार-बार पेशाब आना, वजन कम होना, दृष्टि में धुंधलापन, त्वचा में खुजली, अक्सर संक्रमण होना। पैरों-हाथों में सुन्न होना अथवा झनझनाहट अक्सर लोगों में कोई लक्षण दिखाई नहीं देते यदि उनका रक्त शर्करा स्तर अधिक होता है, आपको मधुमेह होने की जानकारी रक्त जांच से मिल सकती है। उन्होंने बताया कि मधुमेह को नियंत्रण करने के लिए स्वस्थ खाना, शारीरिक गतिविधियां, चिकित्सा डाक्टर के संपर्क में सुचारु, चिकित्सा से मधुमेह पर नियंत्रण पाया जा सकता है।

METRO HEART INSTITUTE WITH MULTISPECIALTY FARIDABAD

मैट्रो हृदय संस्थान
एवं मल्टीस्पेशलटी अस्पताल
Leader in Health Care Since 2002

Quality Accreditations

सभी प्रकार की बीमारियों के इलाज की सुविधा उपलब्ध
हृदय के सफल इलाज के लिए फरीदाबाद की सबसे बड़ी,
वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञों एवं स्पेशलिस्ट सर्जनों की टीम
14 वर्षो से अधिक समय से आपकी सेवा में कार्यरत
आपका अटूट विश्वास हमारी प्रेरणा है...
मैट्रो अस्पताल, फरीदाबाद
अब 400 बैड का
शहर का सबसे बड़ा सुपरस्पेशलिटी अस्पताल

Sector-16A, Faridabad | Phone 4277777 | Ambulance 9811561000 | Emergency 9999714000
Email : info@metrohospitalfaridabad.com Website : www.metrohospitalfaridabad.com
Helpline: 15106

ऑय.एम.एस.एम.ई. ऑफ़ इंडिया ने विश्व स्वास्थ्य दिवस पर अपने सदस्यों को दिया तोहफा

प्रभात अर्जुन
फरीदाबाद। ऑय. एम. एस. एमएई.ऑफइंडिया ने अपने सदस्योंए उनके परिवारों और कर्मचारियों को विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर चिकित्सा उपचार के लिए विशेषाधिकार कार्ड का तोहफ दिया! इस कार्ड पर चिकित्सा उपचार पर हमारे सदस्यों को 30: तक की छूट मिलेगीए श्री राजीव चावलाए अध्यक्षए ऑय.एम.एसएएमएई.ऑफइंडिया कहा।

ऑय.एम.एसएएमएई.ऑफइंडिया ने एशियन अस्पतालए फरीदाबाद और मेट्रो हार्ट एंड मल्टीस्पेशलिटी अस्पतालए फरीदाबाद के साथ अलग अलग समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैंए जिसके अंतर्गत ऑय.एम.एसएएमएई.ऑफइंडिया के सदस्यों को ओएपीएडीए नैदानिक परीक्षणए इंडोर मरीजों और अंतरराष्ट्रीय रोगियों को मेडिकल बिल पर विशेष छूट के प्रावधान हैं! श्री चावला ने कहा कि हमारा हमेशा हमारे सदस्यों लिए उनके द्वारा हमे दी गयी सदस्यता शुल्क से कई गुना अधिक रिटर्न देने के लिए प्रयास रहता है। मेडिकल विशेषाधिकार कार्ड उपलब्ध कराना भी इस दिशा में एक और सफल प्रयास है और अपने सदस्यों को ऐसा तोहफ देने के लिए विश्व स्वास्थ्य दिवस बेहतर अवसर भला क्या हो सकता है। सभी के लिए एक स्वस्थ जीवन की शुभकामनाओं के साथ श्री चावला ने व्यक्तिगत रूप से विशेषाधिकार कार्ड कुछ सदस्यों होटल ग्रांड डिलाईटए फरीदाबाद में आयोजित एक समारोह में सौंपे! सभी सदस्यों ने उनकी संस्था द्वारा किये गए इस कार्य की सराहना की और कोर प्रबंधन टीम का धन्यवाद व्यक्त किया।

ऑय.एम.एसएएमएई.ऑफइंडिया संगठन भारतीय कंपनी अधिनियम की धारा 25 के तहतए एमएएसएएमएई उद्यमियों की सहायता के लिए बनाया गया है! इस संस्था का नाम न केवल आज देश के बड़ेए सम्मानीय और सबसे तेजी से बढ़ते संगठनों में लिया जाता हैए बल्कि अपने दायरे में 6ए000 से अधिक सदस्यों के साथ यह जीवंतए प्रगतिशील और समर्पित एसएएमएई छाता संगठन रूप में विश्व स्तर पर छा रहा है! पिछले सात सालों से एमएएसएएमएई के सेवाओं में जुटे इस संस्थान को इसके समपर्ण और उपलब्धियों के कारण अब अनौपचारिक रूप से श्पारसमणिश् संस्थान का दर्जा दिया जाने लगा है!

भाजपा ही कर सकती है भारत को मजबूत : नयनपाल रावत

प्रभात अर्जुन
फरीदाबाद। पृथला विधानसभा क्षेत्र के गांव छांयसा के रेस्ट हाऊस में भारतीय जनता पार्टी का स्थापना दिवस सादगीपूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भाजपा किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष नयनपाल रावत एवं प्रदेश सचिव सुरेंद्र तेवतिया ने संयुक्त रुप से दीप प्रज्जवलित करके किया। इसके उपरांत श्री रावत व तेवतिया सहित अन्य भाजपा कार्यकर्ताओं ने डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर पुष्प अर्पित करके उन्हें नमन किया। कार्यक्रम में उपस्थितजनों को संबोधित करते हुए नयनपाल रावत ने कहा कि भाजपा ही एकमात्र ऐसी पार्टी है, जो भारत को मजबूत कर सकती है, आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जिस प्रकार पूरे विश्व में भारत का गौरव लौटाया है, वह अपने आप में एक मिसाल है, जो देश कभी भारत के साथ क्षीण भावना रखते थे, आज वह भारत की नीतियों में आस्था जताकर व्यापारिक व सांस्कृतिक संबंध कायम कर रहे है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री खट्टर की सोच आम आदमी को सशक्त और मजबूत बनाने की है और सरकार की नीतियों का लाभ देश के आखिरी व्यक्ति तक पहुंचाने की है और इसी कवायद को लेकर भाजपा का हर कार्यकर्ता कार्य कर रहा है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वह आज के दिन भाजपा की जनकल्याणकारी नीतियों को जन-जन तक पहुंचाकर लोगों को सरकार की नीतियों का लाभ पहुंचाने के लिए कार्य करने का संकल्प लें। इस अवसर पर प्रदेश सचिव सुरेंद्र तेवतिया ने कहा कि भाजपा की कथनी और करनी में कोई अंतर नहीं है, देश व प्रदेश में भाजपा की पूर्ण बहुमत से सरकार बनना यह साबित करता है कि जनता पूरी तरह से भाजपा के साथ है और भाजपा की नीतियों से संतुष्ट है। उन्होंने कहा कि पिछले दो वर्षों के कार्यकाल के दौरान देश व प्रदेशस्तर पर भाजपा सरकार लोगों को बेहतर शासन व सुशासन देने के लिए प्रयासरत है और भाजपा सरकार में लोगों को भ्रष्टाचारमुक्त शासन मुहैया हो रहा है।

संक्षिप्त समाचार

नवरात्र आरंभ, माता की ज्योति प्रज्ज्वलित की

प्रभात अर्जुन : फरीदाबाद। प्रथम नवरात्रे पर श्री बांके बिहारी मंदिर एनएच-5 में हिमाचल के ज्वाला जी से लाई गई ज्वाला मां की ज्योत स्वरूप के प्रकाश का महान कार्य सभा के प्रधान ललित गोस्वामी,श्रीमति मीनाक्षी गोस्वामी,मुख्य पुरोहित आचार्य संतोष जी महाराज व ब्राहण मण्डल द्वारा विधिवत् मत्रोच्चारण के साथ किया गया। इस शुभ अवसर पर मंदिर के प्रधान ललित गोस्वामी ने ज्योति

प्रकाश की। इस मौके पर सभा के सरपरस्त एन.एल गौसाई,एम.एल मारवाह,अशोक अरोड़ा,कोषाध्यक्ष संजय दत्ता,राजेश गौसांई,गिरीश तलवार,प्रेम आहूजा,अजय कुमार,सुनील मल्होत्रा,वरूण शर्मा,सुनील बक्शी,राजीव दत्ता,देवेन्द्र तलवार,गोपाल साहनी,अमित वोहरा,उमेश वैद्य,पियूष गोस्वामी,पुलकित जगी,ऋषि दत्ता,संदीप गौसांई तथा महिला मण्डल की मीनाक्षी गोस्वामी,रेखा आहूजा,शोभा दत्ता,प्रीति गौसांई,दीपा दत्ता,अनीता गोस्वामी,शशी वैद्य,उमा वैद्य,दीपा चोपड़ा,रमा अरोड़ा,सीमा जगी,सिम्मी आदि भक्त मौजूद थे

ऐशलॉन इंस्टीट्यूट में संकल्प 2016 का आयोजन

प्रभात अर्जुन : फरीदाबाद। एश्लॉन इंस्टिट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी में संकल्प 2016 का आयोजन हुआ । यह कार्यक्रम छात्रों द्वारा आयोजित किया गया जिसमे संस्थान के लगभग 120-150 छात्रों ने भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत कॉलेज के प्राचर्या प्रोफ़ेसर डॉ भीम सिंह ने सभी छात्रोंए शिक्षकगण एएतिभागियों एवं जजो का स्वागत कर किया। मौके पर डीन एकैडमिक तरुण शर्माए डीन प्रशासनिक प्रोफेसर डी.के. चुग, कार्यक्रम समन्वयक अनूज कालराए जज संजय कुमार एवं रेनू राणा भी मौजूद रहे। प्रोफेसर डॉ

भीम सिंह ने छात्रों की सोच की सराहना की । उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों की वजह से छात्र ऐसे सन्देश भी दे जाते है जो हमारी सोच से कही ज्यादा आगे होती है । छात्रों ने अपनी सोच को एक चित्र के माध्यम से दर्शाया है जो काबिले तारीफहै जिससे समाज की सोच में बदलाव लाया जा सकता है । हमारे संस्थान की यह कोशिश रहेगी की हम इन छात्रों को इस मंच के जरिये सहायता कर पाये। चित्रसैलाब में छात्रों द्वारा बनाए गए चित्रों में उन्होंने भारत में मजबूर किसानों को आत्महत्या का परिदृश्य दिखाया एवं भारत में हो रहे व्यवसायिक बदलाव को भी दिखाने की कोशिश की । मोनोक्रोमैटिक में छात्रों ने सिर्फएक रंग का प्रयोग कर अद्भभूत कला का प्रदर्शन किया । बैलून कार प्रतियोगिता में 2दक और 3तक ईयर मैकेनिकल छात्रों ने हवा और बैलून के द्वारा कार चला कर सभी को अचंभित कर दिया । साथ ही वर्ड रेसरए मोनो एक्टिंगएयुगल गायन एवं इंस्ट्रुमेंटल प्रतियोगिता का भी आयोजन हुआ ।

'भाकियू सभी मुख्यमंत्रियों को देगी किसान मांग पत्र'

प्रभात अर्जुन : फरीदाबाद। देश का किसान दुखी और परेशान है, जबकि सरकारें किसान की ओर ध्यान नहीं दे रही। भारत का किसान जब तक कर्ज मुक्त नहीं होगा समस्याएं समाप्त नहीं होंगी। भारतीय किसान यूनियन (अ) ने तय किया है कि पूरे देश के मुख्यमंत्रियों को किसान मंचों पर जनता के बीच बुलाकर किसानों की समस्याओं का मांग पत्र देंगे, और एक माह का समय देंगे ताकि सरकार किसानों की मांगों पर तय समय में जवाब दे।

भाकियू के राष्ट्रीय अध्यक्ष ऋषिपाल अम्बावता ने उक्त शब्द प्रैस को जारी एक विज्ञप्ति के माध्यम से कहे। अम्बावता ने कहा मुख्यमंत्रियों को मांग पत्र देने का काम दिल्ली प्रदेश से किया गया है। गत् 3 अप्रैल को दिल्ली के कन्जावला में भाकियू ने किसान रैली कर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को यहां के किसानों की समस्याओं का मांगपत्र सौंपा।

महारानी वैष्णोदेवी मंदिर में दुर्गा अर्चना की

प्रभात अर्जुन
फरीदाबाद। नवरात्रों के प्रथम दिन सिद्धपीठ श्री महारानी वैष्णोदेवी मंदिर में आज मां शैलपुत्री की भव्य पूजा अर्चना की गई। प्रातः से ही मंदिर में भक्तों का तांता लगना आरंभ हो गया। भक्तों ने मां शैलपुत्री की पूजा कर मनोकामना मांगी। इस अवसर पर मंदिर में भव्य स्तर पर दुर्गा पूजा, कलश स्थापना एवं ज्योति प्रचंड किया गया। बत्तरा ग्रुप के डायरेक्टर आर.के. बत्तरा, ओसवाल ग्रुप के डायरेक्टर आर.के.जैन एवं मंदिर संस्थान के प्रधान जगदीश भाटिया ने ज्योति प्रचंड किया। मु य अतिथि के रूप में राजमंदिर होटल के डायरेक्टर गुलशन भाटिया एवं उद्योगपति आनंद मल्होत्रा उपस्थित रहे। नवरात्रों के शुभ अवसर पर मंदिर में प्रतिदिन शाम को 4 से 7 बजे तक चौकी, शाम को 7 बजे से आरती एवं रात्रि 10 बजे परिक्रमा का आयोजन आज से । शुरू किया। इस अवसर पर प्रधान जगदीश भाटिया ने बताया कि नवरात्रों के सभी दिन मंदिर सारी रात खुलेंगे। भक्त देर रात को मंदिर में आकर पूजा अर्चना का लाभ ले सकते हैं। नवरात्रों में मंदिर में विशेष तौर पर भंडारे का आयोजन भी किया जाता है। श्री भाटिया ने बताया कि दुर्गा अष्टमी के अवसर पर 14 अप्रैल वीरवार को फूलों वाली मंडली राज सहगल ग्रुप के द्वारा भव्य जागरण का आयोजन किया जाएगा। 15 अप्रैल शुक्रवार को रामनवमी के अवसर पर मंदिर में सुबह 9 बजे से 11:30 तक पूजन एवं हवन यज्ञ होगा। इसके बाद बड़े पैमाने पर मंदिर में भंडारा होगा। श्री भाटिया ने कहा कि इस भव्य आयोजन की सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। मंदिर में आने वाले भक्तों की सुरक्षा के लिए पु ता इंतजाम किए गए हैं। सीसीटीवी कैमरों से मंदिर की निगरानी की जा रही है। मंदिर के सभी कार्यकर्ता अपने स्तर भी व्यवस्था संभाले हुए हैं। इस धार्मिक आयोजन के अवसर पर मंदिर के चेयरमैन प्रताप भाटिया, पूर्व विधायक चंदर भाटिया, प्रधान राजेश भाटिया, महामंत्री इंद्रजीत सिंह सब्बरवाल, कोषाध्यक्ष गिरिजदत्त गौड़, सतीश भाटिया, बसंत कालड़ा, अनिल भाटिया, बालकराम कथूरिया, दिनेश भाटिया, राहुल मक्कड़, नेतराम गांधी, किशन धवन, अनिल ग्रोवर, राहुल उपाध्याय एवं प्रीतम धमीजा मु य रूप से उपस्थित थे।

आगामी चुनावों में भाजपा को सबक सिखाएगी जनता : सिंगला

प्रभात अर्जुन
फरीदाबाद। 9 अप्रैल शनिवार को राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित मैगपाई टूरिज्म में होने वाले कार्यकर्ता सम्मेलन की तैयारियों को लेकर वरिष्ठ कांग्रेसी नेता लखन कुमार सिंगला ने ओल्ड फरीदाबाद स्थित कार्यालय पर कार्यकर्ताओं की बैठक ली और उन्हें सम्मेलन को लेकर जिम्मेवारियां सौंपी। बैठक को संबोधित करते हुए लखन कुमार सिंगला ने कहा कि कार्यकर्ता सम्मेलन के माध्यम से पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा एवं सांसद दीपेंद्र हुड्डा जहां कांग्रेस कार्यकर्ताओं में एक नए जोश का संचार करेंगे वहीं भाजपा सरकार की नाकामियों की भी पोल खोलेंगे। उन्होंने कहा कि देश व प्रदेश की भाजपा सरकार हर मोर्चे पर असफल साबित हुई है, आज हर वर्ग भाजपा सरकार को सत्ता सौंप अपने आपको ठगा सा महसूस कर रहा है। भाजपा सरकार में आए दिन पेट्रोल-डीजल के दामों में वृद्धि होना यह साबित करता है कि भाजपा महंगाई रोकने में पूरी तरह से नाकाम साबित हो रही है। उन्होंने कहा कि फरीदाबाद जिला जो पूर्व मुख्यमंत्री चौ. भूपेंद्र सिंह हुड्डा के कार्यकाल में विकास की नई बुलंदियों को छूने लगा था, अब पुनः विकास में पिछड़ता जा रहा है। कांग्रेस सरकार ने इस जिले को विकास रुपी जीवनदान देकर इसे फिर से ऊंचाईयों पर पहुंचा दिया था। और आज जो भी बड़ी योजनाएं फरीदाबाद क्रियान्वित है वह सब हुड्डा सरकार की देन है। जबकि अब भाजपाई इसका झूठ श्रेय लूटने का कार्य कर रहे है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता अब भली भांति जान चुकी है कि कांग्रेस ही एकमात्र ऐसी पार्टी है, जो सही मायनों में उनका भला कर सकती है और जनता आगामी चुनावों में भाजपा को सबक सिखाने का मन बना चुकी है। श्री सिंगला ने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वह कार्यकर्ता सम्मेलन में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर भूपेंद्र सिंह हुड्डा के विचारों को सुनकर कांग्रेस को मजबूत करें। इस अवसर पर रामकिशोर अग्रवाल, श्रीकिशन मेहंदी वाले, ईश्वर चंद गोयल, अशोक गोयल, दिनेश गुप्ता, राजेंद्र प्रसाद गर्ग, हेमराज गुप्ता आदि मौजूद थे।

हवन का किया आयोजन

प्रभात अर्जुन
फरीदाबाद। मानव सेवा समिति ने विक्रमी सम्वतः 2073 नव सम्वतसर के अवसर पर सैक्टर-10 मानव भवन में यज्ञ, हवन व काव्य पाठ का आयोजन किया गया। गायत्री परिवार के सहयोग से आयोजित इस यज्ञ, हवन में मानव परिवार के अध्यक्ष पवन गुप्ता, चेयरमैन अरूण बजाज, महासचिव कैलाश शर्मा, महिला सैल की चेयरमैन ऊषा किरण शर्मा अन्य पदाधिकारी अरूण आहूजा, बाकेलाल, राज राठी, कमला वर्मा, बाबूराम गुप्ता, सैक्टर-7-10 मार्किट एसोसिएशन के प्रधान वासुदेव अरोड़ा, पंजाबी फेडरेशन के हरीशचंद आजाद, तिलकराज शर्मा, मीरा माथुर, जसवंत सिंह, मदनलाल, जगदीश माहेश्वरी आदि ने भाग लेकर मानव कल्याण की कामना के लिए प्रभु से प्रार्थना की। सभी ने एक-दूसरे को चंदन टीका लगाकर व कलावा बांधकर एक-दूसरे को नव वर्ष की शुभकामनाएं दी। यज्ञ के समापन के बाद काव्य पाठ का आयोजन किया गया। जिसमें मानव परिवार के वरिष्ठ सदस्य मदनमोहन भाटिया, रघुनाथ गंभीर, कमला वर्मा, देवेन्द्र कुमार, राजकिशोर गुप्ता ने नव वर्ष की कविता गीत सुनाकर हिन्दू नव वर्ष की गरिमा व महत्ता के बारे में बताया।

समस्याओं को रखकर निदान की करेंगे मांग : भड़ाना

एक प्रैस वार्ता को संबोधित करते हुए व्यक्त किए।

प्रभात अर्जुन
फरीदाबाद। हरियाणा प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री माननीय मनोहर लाल जी व फरीदाबाद लोकसभा क्षेत्र के विकास पुरूष सांसद व केंद्रीय मंत्री कृष्णपाल गुर्जर जी सबका साथ - सबका विकास की नीति के तहत एन. आई. टी. विधानसभा क्षेत्र में रैली को संबोधित करने व विकास कार्यों की सौगात देने आ रहे है , जोकि काबिले तारीफ है । प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री जी एन. आई. टी. विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों की सौगात देने आ रहे हैं । इस अवसर पर हम उनके समक्ष क्षेत्र की प्रमुख समस्याओं को रखकर उनके निदान की मांग करेंगे । हमें पूर्ण यकीन है कि मुख्यमंत्री महोदय जी क्षेत्र की सभी समस्याओं का निदान करके जाएगें तथा एन. आई. टी. विधानसभा क्षेत्र के समग्र विकास के लिए भरपूर ग्रांट देकर जाएगें । उक्त विचार एन. आई. टी. विधानसभा क्षेत्र के विधायक श्री नगेन्द्र भड़ाना ने आज नीलम-बाटा रोड़ स्थित आकाश होटल में आयोजित प्रैस वार्ता को उनके साथ प्रदेश की मुख्य संसदीय सचिव श्रीमति सीमा त्रिखा , भाजपा जिला अध्यक्ष श्री गोपाल शर्मा एडवोकेट , पूर्व जिलाध्यक्ष श्री अजय गौड़ , प्रदेश सचिव श्रीमति नीरा तोमर, भाजपा युवा मोर्चा के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री यशवीर डागर ने भी संबोधित किया । प्रैस वार्ता को संबोधित करते हुए विधायक श्री नगेन्द्र भड़ाना ने कहा कि क्षेत्र के विकास के लिए एन. आई. टी. विधानसभा क्षेत्र की विकास रैली में पधार रहें माननीय मुख्यमंत्री जी व केंद्रीय मंत्री जी का वह अपने साथियों सहित भव्य स्वागत करेंगें । प्रैस वार्ता में भाजपा के वरिष्ठ नेता श्री राज कुमार वोहरा, मंडल अध्यक्ष श्री मदन लाल जांगड़ा, व्यापार मंडल के अध्यक्ष श्री राम जुनेजा, समाजसेवी श्री रोहतास पहलवान, स. कमलजीत सिंह, युवा नेता श्री उदयवीर डागर, श्री शेखर तंवर, श्री सुनील मुदगिल सहित अनेक गणमान्य उपस्थित थे । इस अवसर पर उन्होनें क्षेत्र की जनता से भी अपील करते हुए कहा कि क्षेत्र के विकास के लिए वे दलगत राजनीति से उपर उठकर रैली में पधार रहे माननीय मुख्यमंत्री व माननीय केंद्रीय मंत्री का भव्य स्वागत करें ताकि वो क्षेत्र के लिए विकास कार्यों का पिटारा खोल कर जाएं ।

संक्षिप्त समाचार

विद्यालय में विश्व स्वास्थ्य दिवस पर छात्रों को जागरुक किया

प्रभात अर्जुन : फरीदाबाद। राजकीय बाल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय ओल्ड फरीदाबाद की राष्ट्रीय सेवा योजना ईकाईयों, सैंट जान एंबुलैंस बिग्रेड तथा जूनियर रैडक्रास ने विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर विद्यालय में जागरुकता प्रोग्राम का आयोजन प्रार्चाया सन्देश सोलंकी की अध्यक्षता में किया।

सैंट जान एंबुलैंस बिग्रेड एवमं एन एन एस अधिकारी रविन्द्र कुमार मनचन्दा ने छात्रों को बताया कि 7 अप्रैल 1950 को पहली बार वैश्विक स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए विश्व स्वास्थ्य संगठन अर्थात डब्लू एच ओ द्वारा विश्व स्वास्थ्य दिवस मनाने की शुरुआत की गई। 2016 में डब्लू एच ओ द्वारा डाएबटीज अर्थात मधुमेह के रोगियों की संख्या में कमी लाना है। विश्व में लगभग 42 करोड लोग डाएबटीज से पीडित है इस रोग के कारण हार्ट अटैक, स्ट्रोक, नेत्रहीनता व किडनी फेलियर जैसी जानलेवा स्थितियां भी हो सकती है।

अंतर्राष्ट्रीय विश्व स्वास्थ्य दिवस स्वास्थ्य का महत्त्व समझाया

प्रभात अर्जुन : फरीदाबाद। फरीदाबाद मॉडल स्कूल के किडिज़ वर्ल्ड में अंतर्राष्ट्रीय विश्व स्वास्थ्य दिवस के उपलक्ष्य में एक विशेष सभा आयोजित की गई। सभा में प्रधानाचार्या महोदया श्रीमती

शशीबाला ने बच्चों का उत्साहवर्धन किया तथा उन्हें पोषक भोजन एवं साफ-सफाई के महत्व के बारे में बताते हुए अच्छी आदतें अपनाने के लिए प्रेरित किया। इस उपलक्ष्य में किडिज़ वर्ल्ड की अध्यापिकाओं द्वारा एक नाटिका प्रस्तुत की गई जिसमें पोषक भोजन एवं स्वच्छता की अहमियत मनोरंजक ढंग से बच्चों को समझाई गई। बच्चों ने भी इस अवसर पर विचार-विनिमय कर स्वास्थ्य के महत्व को समझा।

रोड सेफ्टी के पदाधिकारियों ने पुलिस कमिश्नर का किया स्वागत

प्रभात अर्जुन : फरीदाबाद। रोड सेफ्टी के पदाधिकारियों व सदस्यों ने एस.के. शर्मा, रानी दुआ व संतोष यादव के नेतृत्व में नवनियुक्त पुलिस कमिशनर हनीफ कुरैशी का फरीदाबाद आगमन पर स्वागत किया एवं उन्हें बुके देकर मुबारकबाद दी। इस मौके पर उपस्थितजनों को सम्बोधित करते हुए पुलिस कमिशनर श्री हनीफ कुरैशी ने कहा कि पुलिस व पब्लिक का रिश्ता काफी करीबी रिश्ता होता है। पुलिस प्रशासन की वजह से ही आम नागरिक अपने आपको सुरक्षित समझता है। पुलिस का अगर पब्लिक सहयोग करे तो अवश्य

ही अपराधों पर अंकुश लगाया जा सकता है क्योकि किसी भी घटना व दुर्घटना की पहली जानकारी उपस्थित जनता को ही होती है और जनता ही अगर समय रहते पुलिस को जानकारी दे तो अवश्य ही घटना व दुर्घटना दोनों टल सकती है। इसीलिए पुलिस पब्लिक के रिश्ते को ओर मजबूत बनाने के लिए आप जैसे लोगों की आवश्यकता है। इस मौके पर पुलिस कमिशनर ने रोड सेफ्टी से आये हुए पदाधिकारियों से कहा कि आने वाले समय में सडक पर हुई दुर्घटना में घायल व मृतक के लिए फोल्डिंग स्ट्रैचर एवं कफन बाक्स की सुविधा दी जायेगी।

एशियन ग्रामीण स्वास्थ्य परियोजना का शुभारंभ

प्रभात अर्जुन : फरीदाबाद। एशियन इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज़ अस्पताल ने ग्रामीण स्वास्थ्य परियोजना को शुभारंभ किया। यह परियोजना क्षेत्र के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करने के उद्देश्य से शुरू की गई है। एशियन अस्पताल के डायरेक्टर डॉ. एन.के पांडे, श्री अनुपम पांडे, डॉ. प्रशांत पांडे, डॉ. पी.एस आहुजा, डॉ. प्रबल

रॉय, जिला परिषद के चेयरमैन विनोद चौधरी ने द्वीप प्रज्जवलित कर परियोजना का शुभारंभ किया।इस मौके पर करीब 80 सरपंच और पंच मौजूद थे। इसके तहत ग्रामीण क्षेत्र में रहने वाले लागों के लिए विशेष पैकेज तैयार किया गया है। फरीदाबाद के सभी गांवों के सरपंच को अस्पताल द्वारा स्वास्थ्य कार्ड दिया जाएगा। इसके माध्यम से वह अस्पताल में भर्ती मरीज से मुलाकात कर सकेंगे। इसके साथ ही ग्रामीण को उपचार के लिए भी अस्पताल में भेज सकते है।

भारतीय जनता पार्टी की सरकार से हर वर्ग

प्रभात अर्जुन
फरीदाबाद। भारतीय जनता पार्टी का स्थापना दिवस के अवसर पर सेक्टर 28 स्थित कार्यालय पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में केन्द्रीय राज्यमंत्री श्री कृष्णपाल गुर्जर एवं प्रदेश महासचिव संदीप जोशी उपस्थित थे। इस मौके पर पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने पार्टी के स्थापना दिवस पर एक दूसरे को बधाई दी। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कृष्णपाल गुर्जर ने कहा कि देश व प्रदेश में सबका विकास सबका सम्मान की परिपाटी पर चल रही भारतीय जनता पार्टी की सरकार से हर वर्ग काफी खुश है। उन्होंने कहा कि आज का दिन हम सभी के लिए महत्वपूर्ण दिन है इस दिन हमारे वरिष्ठ नेताओं ने इस पार्टी को स्थापित किया था और उन्हीं के प्रयासों से आज पार्टी इस मुकाम पर पहुंची है इसीलिए हमें उन महान नेताओं के बताये हुए दिशा निर्देशों पर चलते हुए देश व प्रदेश की

प्रगति में सहायक बनना चाहिए।

इस अवसर पर प्रदेश महामंत्री संदीप जोशी ने कहा कि आज के दिन को हम सबको अपने वरिष्ठ नेताओं के दिशा निर्देशों पर अमल करते हुए पार्टी की मजबूती को दिन पर दिन बढ़ाना है साथ ही जनता को अधिक से अधिक विकास एवं सहूलियते प्रदान करनी है। कार्यक्रम के अंत में वरिष्ठ भाजपा नेता राजेश नागर ने आये हुए सभी पार्टी पदाधिकारियों का आभार जताया और कहा कि पार्टी की मजबूती को बनाये रखने में हम सभी को अपना अपना महत्वपूर्ण योगदान देना है और पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के बताये हुए दिशा निर्देशों पर चलते हुए पार्टी की नीतियों को जन जन तक पहुंचाना है। कार्यक्रम में देवेन्द्र चौधरी, डा. कौशल बाठला, मदन पुजारा, अजय बैंसला, मण्डल अध्यक्ष सराय वीरेन्द्र यादव, रतिराम गोस्वामी, उमेश भाटी, उमेश शर्मा सरपंच, गिरीश मिश्रा, उमाशंकर, आकाश, सुभाष अरोडा, रेखा दीक्षित, राज राणा, उमेश ठाकुर, मनोज वशिष्ठ, रविन्द्र त्यागी, यशपाल यादव, अनिता शर्मा, सुभाष वीर, सुधीर नागर आदि उपस्थित थे। इस मौके पर श्री कृष्णपाल गुर्जर एवं संदीप जोशी ने डा. परमानंद , उमेश ठाकुर, डी एस चोपडा, अनोख सिंह संधु, रति राम, अशोक कुमार, एस.सी. गोयल, राजेन्द्र शर्मा, बलराज गुप्ता, दिनेश राजपूत, एम एल शर्मा, डा. कन्हैया,श्रीमती सरोज सिंह, शशी खट्टर, ब्रजेश ठाकुर, ए के खजान्ची, गिरी जी, को पार्टी ध्वज देकर सम्मानित किया।

ग्रीवेंस की बैठक में 14 परिवादों की सुनवाई

प्रभात अर्जुन
फरीदाबाद। हरियाणा सरकार के परिवहन एवं आवासीय मंत्री कृष्णलाल पंवार की अध्यक्षता में जिला लोक संपर्क एवं परिवाद समिति कीबैठक आज यहाँ सथानीय सेक्टर 12 स्थित हुड्डा कन्वेंशन सेंटर में आयोजित की गई। श्री पवार ने बैठक में निर्धारित कुल 14 परिवादो की सुनवाई की। इनमें से अधिकांश का निपटारा कर दिया गया जबकि शेष के निवारण हेतु आवश्यक जांच प्रक्रिया किए जाने वाले अलग अलग कमेटी गठित करने का निर्णय लिया गया। इसके अलावा मूल भूत सुविधाओं से जुड़ी समस्याएं भी सुनी गई। श्री पवार ने जिला के संबंधित अधिकारियों से कहा कि वे उनके समक्ष नियमित रूप से आने वाले शिकायतों का समाधान अपने सत्तर पर ही तत्परता से करने का प्रयास करें ताकि लोगों को पूरा सुकून व राहत प्रदान की जा सके। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन के सभी अधिकारी सरकार व जनता के बीच की कड़ी के समान होते हैं अत: वे पूरी ईमानदारी के साथ कार्य करके सरकार की स्वच्छ छवि को कायम रखें।परिवहन मंत्री द्वारा सुने गए परीवाद पुलिस विभाग,बिजली वितरण निगम,उप मंडल अधिकारी नागरिक फरीदाबाद व् बल्लबगढ़,जिला योजनाकार, नगर निगम,खाद्य एवं पूर्ति विभाग,तथा समाज कल्याण विभाग से संबंधित थे।इनके अलावा श्री पवार ने जिला के कई लोगों द्वारा अवैध निर्माण, अवैध कब्जे,बिजली,पानी दूषित जल निकासी, सफाई, शिक्षा,व् पार्क सौंदर्यकरण आदि के संबंध में रखी गई अन्य शिकायतों को सुनकर इनका शीघ्र समाधान करने के लिए संबंधित अधिकारियों को आदेश दिए। बैठक में विधायक मूलचंद शर्मा, टेकचंद शर्मा,नरेंद्र भड़ाना, भाजपा जिला अध्यक्ष एडवोकेट गोपाल शर्मा व पूर्व जिलाध्यक्ष अजय गौंड,भाजपा के प्रदेश संगठन महामंत्री संदीप जोशी, वरिष्ठ युवा भाजपा नेता देवेंद्र चौधरी,उपायुक्त चंद्रशेखर, पुलिस आयुक्त हनीफ कुरेशी, हुडा प्रशासक गरिमा मित्तल तथा अतरिक्त उपायुकत एवं नगर निगम आयुक्त डॉ आदित्य दहिया सहित जिला प्रशासन के सभी संबंधित अधिकारी और समिति के गैर सरकारी सदस्य भी उपस्थित थे।

खेलों से भाईचारा और सहयोग की भावना को मिलता है बल : टेकचंद

प्रभात अर्जुन : फरीदाबाद। मोहना ग्राम पंचायत व एशियाड फाउंडेशन द्वारा आयोजित सर्कल कबड्डी मैच में आज हिंदुस्तान-पाकिस्तान के बीच हुए मैच में पाकिस्तान की टीम ने हिंदुस्तान की टीम को 3 प्वांइटों से धराशाही कर विजय प्राप्त की। इस अवसर पर क्षेत्रीय विधायक टेकचंद शर्मा ने कहा कि खेलों के द्वारा भाईचारा और पारस्परिक प्रेम व सहयोग की भावना को बल मिलता है। खेल किसी भी देश और प्रदेश की सीमाओं तक सीमित नहीं है इस बात की

पुष्टि आज हुए हिंदुस्तान-पाकिस्तान के बीच हुए कबड्डी मैच द्वारा होती है। उन्होंने कहा कि खेलों में हार-जीत नहीं होती, क्योंकि खेल खेल की भावना से खेला जाता है इससे खिलाडी की खेल कौशलता का पता भी चलता है। अंतर्राष्टीय स्तर पर होने वाले ऐसे खेलों से 2 देशों के आपसी प्रेम को बल मिलता है। ऐसे खेलों के आयोजन देश में जगह-जगह करवाए जाने की भी आवश्यकता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए वरिष्ठ भाजपा नेता व पूर्व निगम पार्षद धनेश अदलक्खा ने कहा कि खेलों को बढ़ावा देने के लिए हरियाणा सरकार ने खिलाडियों को अनेक प्रकार की नीतियां गठित की हुई है, जिसके द्वारा खिलाडियों को अपने खेल में तकनीकी सुधार के साथ-साथ भविष्य को भी सुनिश्चित करने के लिए सरकारी नौकरियों में भी स मानजनक स्थान रखा हुआ है।

हर्ष ने क्विज प्रतियोगिता में मारी बाजी

प्रभात अर्जुन
फरीदाबाद। डी.ए.वी. शताब्दी महाविद्यालय के बी.बी.ए. संकाय में राज्यस्तरीय क्विज प्रतियोगिता एमपीएल का आयोजन किया गया। इसमें विभिन्न कॉलेजो से आई लगभग 20 टीमों ने हिस्सा लिया। आरम्भ में इन टीमों के लिए एक क्वालिफाइंग राउण्ड रखा गया जिसमें से पाँच सर्वश्रेष्ठ टीमों को आगे की प्रतियोगिता के लिए चुना गया। इन पाँच टीमों के लिए अग्रवाल कॉलेज बल्लभगढ़, डी० ए० वी० शताब्दी कॉलेज फरीदाबाद, डी ए वी आइ एम, फरीदाबाद एन० बी० जी० एस० एम० सोहना, एक्यूरेट कॉलेज ग्रेटर नोएडा ने अपनी जगह बनाई। चयनित पाँचो टीमों के

लिए पाँच राउण्ड मैनेजमेण्ट क्विज राउण्ड, लोगोज एण्ड टैगलाइन राउण्ड , ओडियो -विज्युअल बजर राउण्ड, एडवरटिजमेण्ट राउण्ड एवं फास्ट टैऊक राउण्ड रखे गये । इन राउण्डस के बीच बीच में दर्शकों के लिए भी क्विज राउण्ड रखे गये और उन्हें भी अनेक पुरस्कार वितरित किये गये। कार्यक्रम में प्रथम स्थान पर डी.ए.वी.आइ.एम. फरीदाबाद के हर्ष बवेजा तथा कनव जिंदल, की टीम ने बाजी मारी। दूसरे स्थान पर एक्यूरेट कॉलेज ग्रेटर नोएडा के राहुल कुमार तथा नायब जमीर रहे। तीसरे स्थान पर डी. ए. वी. शताब्दी कॉलेज फरीदाबाद के नेत्रपाल सेन तथा श्रवण कुमार की टीम रही। कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्तर के प्रसिद्ध हिन्दी कवि दिनेश रघुवंशी मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने अपनी कविताओं से सभी को मंत्र मुग्ध कर दिया। कार्यक्रम के अन्त में विजयी टीमों को पुरस्कार व प्रमाण पत्र वितरित किये गये। सभी प्रतिभागियों को भी प्रमाणपत्र प्रदान किया गया। कार्यक्रम में कॉलेज के प्राचार्य महोदय डा. सतीष आहूजा, मैडम डा. सुनीति आहूजा, बी. बी.ए. कोआर्डिनेटर मुकेश बंसल , बी बी ए डीन वीरेन्द्र भसीन, अरूण भगत, डा. शुभ तनेजा, डा. ज्योति राणा, डा. दिव्या त्रिपाठी, श्रीमती सुरभि सहित बी.बी.ए. के सभी अन्य प्राध्यापक उपस्थित रहे।

सद्भावना यात्रा' का जोरदार स्वागत

प्रभात अर्जुन
फरीदाबाद। हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डा. अशोक तंवर के नेतृत्व में आज फरीदाबाद से शुरु हुई 'हरियाणा एसवाईएल/सद्भावना यात्रा' का जिले के कांग्रेसियों ने जोरदार स्वागत किया। सेक्टर-11 स्थित मिलन वाटिका में हजारों की तादाद में कांग्रेसियो ने इस यात्रा में शामिल होकर 'राहुल गांधी जिंदाबाद' 'कांग्रेस पार्टी जिंदाबाद' 'डा. अशोक तंवर जिंदाबाद' के नारे लगाकर पूरे माहौल को कांग्रेसमय बना दिया। इस अवसर पर गांव मुजेसर की मौजिज सरदारी ने प्रदेश सचिव किरण गोदारा के नेतृत्व में डा. अशोक तंवर का पगड़ी बांधकर सम्मानरुपी स्वागत किया। कार्यकर्ताओं के उत्साह से गद्गद् प्रदेशाध्यक्ष अशोक तंवर ने कहा कि आज इतनी बड़ी तादाद में लोगों ने एकजुट होकर यह जतला दिया कि अब भाजपा पार्टी लम्बे समय में सत्ता में रहने वाली नहीं है, भाजपा सरकार

की स्वार्थपूर्ण नीतियों के चलते आज हर वर्ग अपने आपको असहाय महसूस कर रहा है और इस सरकार को सत्ता से उखाड़ने के लिए लामबंद होने लगा है। श्री तंवर ने कहा कि जिस समय हरियाणा आरक्षण की आग में जल रहा था, उस दौरान भाजपा सरकार के मंत्री व विधायक अपने घरों में छुपकर हरियाणा को जलता हुआ देख रहे थे, किसी ने भी इस आग पर पानी तो नहीं डाला परंतु घी डालने में किसी ने कोई कसर नहीं छोड़ी। श्री तंवर ने कहा कि प्रदेश की जनता की जान-माल की सुरक्षा की जिम्मेदारी सरकार व प्रशासन की होती है, परंतु भाजपा सरकार इस मामले में पूरी तरह से फेल साबित हुई और भाईचारे के लिए प्रसिद्ध हरियाणा अब दंगाई प्रदेश के नाम से देशभर में विख्यात हो गया इसलिए ऐसी सरकार को सत्ता में बने रहने का कोई हक नहीं है। श्री तंवर ने उपस्थित कार्यकर्ताओं से आह्वान करते हुए कहा कि वह जन-जन में जाकर भाजपा सरकार द्वारा प्रदेश में बिगाड़े गए माहौल को सदभावना के माध्यम से पुन: बेहतर बनाने के लिए प्रयास करें और लोगों को आपसी भाईचारे व एकता का संदेश दे। विधानसभा में कांग्रेस पक्ष की नेता श्रीमती किरण चौधरी ने जाट आंदोलन के दौरान फैली हिंसा पर भाजपा को चौतरफा घेरते हुए कहा कि भाजपा का असली चेहरा लोगों के सामने आ चुका है। जुमलों की यह सरकार भाई से भाई को लड़ाकर अपना हित साधना चाह रही है किन्तु लोग इसकी असलियत से वाकिफ हो चुके हैं। सभा में मौजूद सभी कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने डा. अशोक तंवर व कांग्रेसी नेताओं को विश्वास दिलाया कि वह प्रत्येक कार्यकर्ता गली-गली गांव-गांव जाकर लोगों को भाजपा की जनविरोधी नीतियों से अवगत करवाकर उन्हें आपसी में सद्भावना से रहने का संदेश देगा। इस मौके पर पूर्वमंत्री कैप्टन अजय यादव, पूर्व विधायक नरेश प्रधान, अजय शर्मा, प्रदेश महासचिव पं. राजेंद्र शर्मा, प्रदेश सचिव सुमित गौड़, किरण गोदारा, दिनेश चंदीला, नरेश गोदारा, ललित भड़ाना, राजन ओझा, यशपाल नागर, राधा नरुला, सुभाष चौधरी, सत्यवीर डागर, पूर्व मेयर अशोक अरोड़ा, एस.एल. शर्मा, अनीशपाल, अनिल शर्मा, गजेंद्र सिंह, शालिनी मेहता, सत्यनारायण, प्रभु जाखड़, नाथी लाम्बा, खेमचंद लाम्बा, सावंत बीसला, रत्न सिंह, धर्मबीर गोदारा, जगदीश पार्षद, राहुल सिंधु, महेश कुमार, पंकज सिंह, निशांत, प्रतीक, अनुभव, तरुण कुमार, सीमा जैन, महेंद्र शर्मा सहित अनेकों कांग्रेसी कार्यकर्ता उपस्थित थे।

संवेदना का सूखा

देश में सूखे से परेशान किसानों को राहत दिलाने के लिए खुद सर्वोच्च न्यायालय आगे आया है। हाल ही में एक मामले की सुनवाई करते हुए अदालत ने केंद्र सरकार से साफ कहा है कि आप सूखे के ऐसे भयंकर हालात में अपनी आंखें मूंदे नहीं रह सकते। अदालत ने सरकार को निर्देश देते हुए कहा, इस संबंध में वह फौरन कदम उठाए। प्रभावित लोगों तक देरी से राहत पहुंचने पर तल्ख टिप्पणी करते हुए अदालत ने कहा कि राहत का मतलब है फौरन राहत, न कि एक-दो साल बाद।

देश में सूखे से परेशान किसानों को राहत दिलाने के लिए खुद सर्वोच्च न्यायालय आगे आया है। हाल ही में एक मामले की सुनवाई करते हुए अदालत ने केंद्र सरकार से साफ कहा है कि आप सूखे के ऐसे भयंकर हालात में अपनी आंखें मूंदे नहीं रह सकते। अदालत ने सरकार को निर्देश देते हुए कहा, इस संबंध में वह फौरन कदम उठाए। प्रभावित लोगों तक देरी से राहत पहुंचने पर तल्ख टिप्पणी करते हुए अदालत ने कहा कि राहत का मतलब है फौरन राहत, न कि एक-दो साल बाद। अदालत ने सूखे की स्थिति पर चिंता जताते हुए केंद्र सरकार से हलफनामा दाखिल कर मनरेगा संबंधी धनराशि और योजनाओं का ब्योरा पेश करने का भी निर्देश दिया। न्यायमूर्ति मदन बी. लोकुर की अध्यक्षता वाले पीठ का साफ कहना था कि अगर पीड़ित लोगों को समय पर मजदूरी नहीं मिलती, तो कल्याणकारी योजनाओं का कोई मतलब नहीं है। अदालत ने सूखे से निपटने में गंभीरता न दिखाने पर खासतौर पर हरियाणा और गुजरात सरकार की खिंचाई की। अदालत का कहना था कि जब सितंबर में ही मालूम चल गया था कि गुजरात में सूखे के हालात हो सकते हैं, तो सूखा घोषित करने में एक अप्रैल तक का इंतजार क्यों किया गया? अगर अब भी अदालत सख्त रुख अख्तियार न करती, तो सूखाग्रस्त राज्यों के करोड़ों लोगों के सामने आजीविका का संकट था। अदालत के निर्देश के बाद उम्मीद बंधी है कि इन लोगों को सरकार की ओर से जल्द से जल्द राहत मिलेगी। अदालत ने यह आदेश 'स्वराज अभियान' की जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान दिया। इस जनहित याचिका में सूखा प्रभावित राज्यों के लोगों को खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत खाद्यान्न उपलब्ध कराने के लिए केंद्र को निर्देश देने की मांग की गई थी। याचिकाकर्ता ने अपनी अपील में अदालत से अनुरोध किया था कि सूखा प्रभावित राज्यों में राहत व पुनर्वास के अन्य उपाय किए जाने के लिए केंद्र को आदेश दिया जाए। स्वराज अभियान ने अपनी याचिका में केंद्र सरकार पर इल्जाम लगाया था कि सरकार सूखा झेल रहे राज्यों को मनरेगा का पैसा नहीं दे रही है, जिससे इन राज्यों में हालात बिगड़ रहे हैं। पिछले दो साल से कम बारिश के चलते महाराष्ट्र, कर्नाटक, छत्तीसगढ़, राजस्थान, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना समेत दस राज्य भयंकर सूखे की चपेट में हैं। कई राज्यों में सूखे से हालात इतने बदतर हो गए हैं कि लोग पीने के पानी तक को तरस गए हैं और अब पलायन करने को मजबूर हैं। मध्यप्रदेश के छियालीस जिलों में सूखे का भयानक असर है, वहीं छत्तीसगढ़ की एक सौ सत्रह तहसीलें सूखाग्रस्त हैं। छत्तीसगढ़ में तो इस वक्त हालात यह हैं कि यहां के बांधों और जलाशयों में सिर्फ तीस फीसद पानी बचा है। हालात मध्यप्रदेश में भी ठीक नहीं। अभी अप्रैल महीना शुरू हुआ है और यहां के आधे बांधों में सिर्फ दस फीसद पानी बचा है। उत्तर प्रदेश और मध्यप्रदेश में विभाजित बुंदेलखंड में बासठ लाख से ज्यादा किसान व मजदूर पलायन कर चुके हैं। इस साल बुंदेलखंड इलाके में सिर्फ बीस फीसद जमीन पर ही बुवाई हो पाई है। यहां पानी की एक-एक बूंद के लिए जद्दोजहद हो रही है। लगातार सूखे की वजह से पहले फसलें बर्बाद हुईं और अब तालाबों, कुओं और नलकूपों ने भी जवाब दे दिया है। इस इलाके के ज्यादातर हिस्से में लोग पानी के लिए कई किलोमीटर का चक्कर लगा रहे हैं। हालात देश के विकसित राज्य माने जाने वाले महाराष्ट्र और गुजरात में भी ठीक नहीं। महाराष्ट्र के छब्बीस हजार गांव फिलवक्त सूखे की चपेट में हैं। सरकार ने इन गांवों को सूखाग्रस्त घोषित कर दिया है। सूखे से निपटने के लिए मराठवाड़ा से अस्पताल और जेल तक दूसरे इलाकों में स्थानांतरित किए जा रहे हैं। राज्य के मराठवाड़ा, उत्तर महाराष्ट्र और विदर्भ के चौदह जिलों में सूखे के चलते पानी के लिए हाहाकार मचा हुआ है। इन इलाकों में दंगा होने तक की नौबत आ गई है जिसके चलते लातूर और परभणी जिलों में धारा 144 लागू कर पानी पर पहरा लगा दिया गया है। मराठवाड़ा के पच्चीस लाख से ज्यादा किसान अपनी जिंदगी बचाने के लिए गांवों से पलायन कर चुके हैं। इस क्षेत्र के गांव के गांव खाली हो गए हैं। सूखे से राज्य में भीषण जलसंकट का खतरा मंडरा रहा है। मराठवाड़ा समेत कई जलाशयों में केवल चार से पांच फीसद पानी बचा हुआ है। गुजरात की अगर बात करें, तो राज्य के सौराष्ट्र में भी पानी का भयंकर संकट है। सूखे से यहां के हालात इतने नासाज हैं कि जलाशयों में सिर्फ दस फीसद पानी बचा हुआ है। यह पानी ज्यादा से ज्यादा दो महीने और चलेगा। पानी की तंगी कच्छ और उत्तरी गुजरात में भी है। सूखे से हालात इतने विकराल हो गए हैं कि देश के इक्यानबे प्रमुख जलाशयों में सिर्फ प च्चीस फीसद पानी बचा हुआ है। देश के पूर्वी हिस्से में चौवालीस फीसद, मध्य क्षेत्र में छत्तीस फीसद, दक्षिण में बीस फीसद, पश्चिम में छब्बीस फीसद और उत्तरी इलाके में सिर्फ सत्ताईस फीसद पानी बचा हुआ है। केंद्रीय जल आयोग की रिपोर्ट के मुताबिक इकतीस मार्च को इक्यानबे प्रमुख जलाशयों में सिर्फ 39.651 अरब क्यूबिक मीटर पानी था। जलाशयों में मौजूद पानी की यह मात्रा पिछले दस साल के औसत से भी पच्चीस फीसद कम है। आयोग के मुताबिक पानी की कमी का सबसे ज्यादा असर उत्तराखंड, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र और तमिलनाडु पर होगा। प्रभावित राज्यों में नब्बे फीसद भूजल का इस्तेमाल हो चुका है। यानी धरती में सिर्फ दस फीसद पानी बचा हुआ है। बुंदेलखंड के ग्रामीण क्षेत्रों में भी दिन-पर-दिन पेयजल संकट गहराता जा रहा है। हैंडपंप सूख रहे हैं और कुओं का पानी गहराई में जा रहा है। पानी तो पानी, लोगों को भोजन का भी संकट है। फसल न होने की वजह से कृषि श्रमिकों को काम नहीं मिल पा रहा है। मनरेगा जो कि ग्रामीणों को रोजगार देने की एकमात्र योजना है, उसमें भी उन्हें जरूरत के मुताबिक काम नहीं मिल पा रहा है। मामले की सुनवाई के दौरान अदालत ने सरकार से जवाब तलब किया कि महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना यानी मनरेगा, सूखा प्रभावित राज्यों में कैसे लागू की जा रही है? अदालत ने सरकार से यह भी जानना चाहा कि इन राज्यों में वह किस तरह से फंड मुहैया करा रही है। अदालत का कहना था कि चूंकि केंद्र, राज्यों को मनरेगा के तहत पर्याप्त कोष जारी नहीं कर रहा है, लिहाजा राज्य मनरेगा के तहत लोगों को काम देने के इच्छुक नहीं हैं।

नापाक मंशा

पठानकोट हमले की दुतरफा जांच पर हुई सहमति से मुकर कर पाकिस्तान ने दोनों देशों के बीच जारी शांति प्रक्रिया को फिर पलीता लगा दिया है। इससे सरहद के दोनों तरफ मौजूद अमनपसंद लोगों का मायूस होना स्वाभाविक है, लेकिन पाकिस्तान के पुराने रिकार्ड को देखते हुए इसमें आश्चर्यजनक कुछ नहीं है। इससे हर बार की तरह फिर साबित हुआ कि उसकी दिलचस्पी संबंध सुधारने या संवाद का सिलसिला आगे बढ़ाने में नहीं, उलटे भारत पर आरोप मढ़ कर अपनी आतंक-पोषक नीतियों-कारस्तानियों से विश्व समुदाय का ध्यान हटाए रखने में ज्यादा है। दिल्ली में गुरुवार को पाकिस्तानी उच्चायुक्त अब्दुल बासित के बयान से इस नापाक मंशा की स्पष्ट पुष्टि होती है। बासित ने न केवल पठानकोट हमले की जांच के लिए भारतीय दल के पाकिस्तान जाने पर बनी सहमति से कन्नी काटी, विदेश सचिवों की किसी संभावित बैठक से भी इनकार किया। उन्होंने कश्मीर का राग तो छेड़ा ही, यह सनातन पाकिस्तानी आरोप भी दोहराया कि भारत बलूचिस्तान में 'दिक्कतें' पैदा कर रहा है। इस सिलसिले में बासित ने भारतीय नौसेना अधिकारी कुलभूषण जाधव के पाकिस्तान में जासूसी के आरोप में पकड़े जाने का भी हवाला दिया, जबकि इस गिरफ्तारी और जासूसी के आरोपों को खुद पाकिस्तानी मीडिया का एक हिस्सा संदिग्ध बता रहा है। बासित के बयान को भारतीय पक्ष के लिए 'करारा झटका' बताना हालांकि थोड़ा जल्दबाजी कहा जाएगा लेकिन पठानकोट हमले की पड़ताल के लिए भारत आए पाक जांच दल की वहां के मीडिया में लीक रपट में उलटे भारत पर मढ़े गए संगीन आरोपों से मोदी सरकार की पाकिस्तान-नीति सवालों के घेरे में तो आ ही गई है। यह अफसोस की बात है कि विदेश नीति के जिस मोर्चे पर वह अपनी उपलब्धियों का ढिंढोरा पीटते नहीं थकती, उस मोर्चे पर नितांत पड़ोसी नेपाल और अब पाकिस्तान के मामले में उसे मुंह की खानी पड़ी है। इसमें शक नहीं कि विभाजन के बाद से ही पाकिस्तान भारत के लिए एक दुखती हुई रग और संवेदनशील विषय बना हुआ है। जहां भारत आजादी के बाद एक मजबूत और परिपक्व लोकतांत्रिक राष्ट्र के तौर पर विकसित होने में कामयाब रहा है वहीं मजहब के आधार पर कृत्रिम विभाजन की कोख से जनमा पाकिस्तान आज भी भिन्न-भिन्न उग्र क्षेत्रीय पहचानों से जूझता, धर्मांधता, आतंकवाद, कबीलाई टकरावों से लहूलुहान, राजनीति, सेना और इस्लामी सत्ता-केंद्रों की रस्साकशी में फंसा एक विफल राष्ट्र बना हुआ है। कोढ़ में खाज यह कि दुनिया में हुई अधिकांश आतंकी वारदातों के तार पाकिस्तान से जुड़े पाए गए हैं जिससे उसकी छवि आतंकवाद के निर्यातक की बन गई है। इसके मद्देनजर खुद को अमनपसंद दिखाने के लिए जहां वह भारत के साथ शांति-संवाद के पैरोकार की मुद्रा अख्तियार कर लेता है वहीं अवाम का ध्यान मुल्क की बदहाली से भटकाए रखने की खातिर कश्मीरकी आजादी की आड़ में भारत के विरुद्ध शत्रु-भाव को पालता-पोसता रहता है।

परंपरा और अधिकार

महाराष्ट्र के शनि शिंगणापुर मंदिर के न्यासी मंडल ने महिलाओं के प्रवेश की रजामंदी दे दी है। जाहिर है, यह महिलाओं के संघर्ष की जीत है और समानता के उनके अधिकार का एक और मुकाम। पर उनकी यह उपलब्धि न्यासी मंडल की पहल का नतीजा नहीं है, बल्कि इसका श्रेय भूमाता ब्रिगेड के आंदोलन और मुंबई उच्च न्यायालय के फैसले को जाता है। पिछले दिनों अपने एक फैसले में न्यायालय ने कहा था कि पूजास्थल में प्रवेश पुरुषों की तरह महिलाओं का भी बुनियादी अधिकार है और यह सरकार की जिम्मेवारी है कि वह उनके इस अधिकार को लागू करे और उन्हें सुरक्षा मुहैया कराए। उच्च न्यायालय के इस फैसले के बाद राज्य सरकार पर भी दबाव बढ़ गया था और मंदिर के न्यासी मंडल पर भी। न्यासियों का ताजा रुख उसी दबाव का नतीजा है। न्यासी मंडल को यह अहसास हो गया होगा कि सदियों से चले आ रहे प्रतिबंध को जारी रखना अब संभव नहीं हो सकेगा। समाज का एक वर्ग परंपरा की खातिर या परंपरा के नाम पर ऐसे प्रतिबंध को बनाए रखने का हिमायती हो सकता है, पर अब उन्हें इसके लिए उतना व्यापक समर्थन नहीं मिल सकता जिसे आम सामाजिक सहमति कह सकें। दरअसल, मंदिरों में प्रवेश से संबंधित ये नियम-कायदे तब बने या विकसित हुए जब संविधान, कानून, नागरिक अधिकार आदि हमारे सार्वजनिक जीवन के निर्धारक तत्त्व नहीं थे। पर अब ये सार्वजनिक जीवन की अहम कसौटियां हैं। इसलिए इनकी अनदेखी नहीं की जा सकती। आस्था के तर्क से पूजास्थलों की एक स्वायत्तता हो सकती है, होनी भी

चाहिए, पर समानता तथा नागरिक अधिकार के मूल्य के साथ भी उन्हें अपना मेल बिठाना होगा। शनि शिंगणापुर मंदिर में स्त्रियों का प्रवेश वर्जित होने की परिपाटी के कई समर्थकों की दलील थी कि इस वर्जना को स्त्रियों के प्रति भेदभाव के रूप में नहीं, बल्कि उन्हें अमंगल से बचाने के एक धार्मिक विधान के रूप में देखा जाना चाहिए। पर जब शनि के तमाम मंदिरों में स्त्रियां जाती हैं तो केवल शनि शिंगणापुर को अपवाद बनाए रखना उनके तर्क का बचाव नहीं कर सकता। कुछ लोग केरल के सबरीमाला मंदिर का भी उदाहरण देते रहे हैं, जहां मासिक धर्म के आयुवर्ग की स्त्रियों का प्रवेश वर्जित है। सबरीमाला का मामला भी अदालत में है। सबरीमाला में महिलाओं के प्रवेश पर पाबंदी के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए तीन महीने पहले सर्वोच्च अदालत ने कहा था कि संवैधानिक आधार पर ऐसा नहीं किया जा सकता; मंदिर धार्मिक आधार पर (यानी अन्य धर्मावलंबियों के लिए) तो प्रतिबंध लगा सकते हैं, मगर लैंगिक आधार पर नहीं। सबरीमाला मामले में अंतिम फैसला अभी नहीं आया है, पर जाहिर है शनि शिंगणापुर मामले में मुंबई उच्च न्यायालय का फैसला सर्वोच्च अदालत के रुख से एकदम मेल खाता है। दो धाराओं के बीच द्वंद्व में शुरू में जरूर खटास दिखती है, पर कई बार सकारात्मक परिणाम आता है; परंपरा अपने को बदलती है, नवीकृत भी करती है। शनि शिंगणापुर में जमाने से चली आ रही पाबंदी हटने को इसी व्यापक परिप्रेक्ष्य में देखा जाना चाहिए। इस तरह के कुछ और भी उपासना स्थल हैं, अन्य समुदायों के भी हैं जहां स्त्रियों के जाने पर रोक है। उम्मीद की जानी चाहिए कि ये प्रतिबंध वहां भी हटाए जाएंगे।

संविधान एक खोज, सत्ता का सत्य

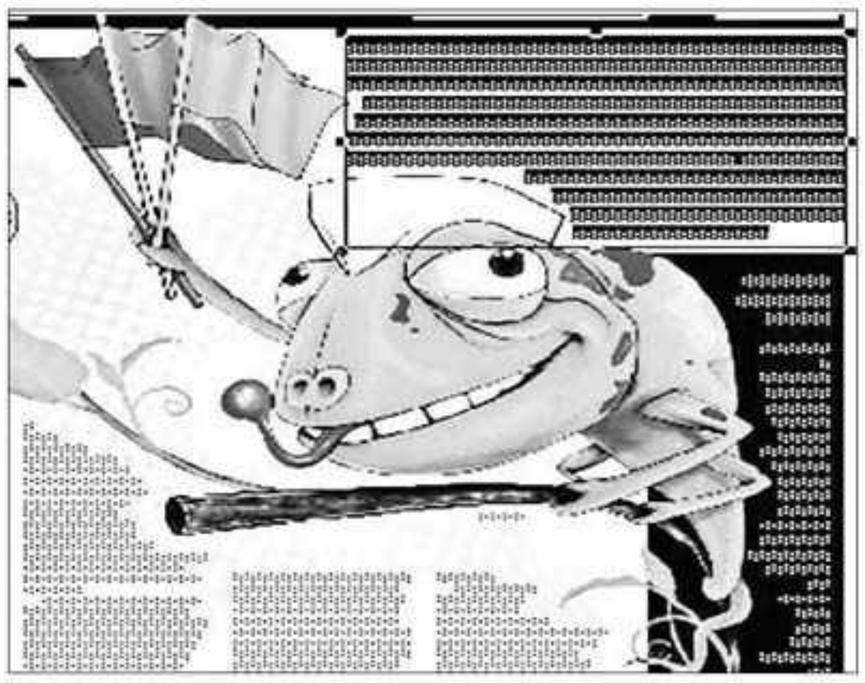

आजादी के बाद का इतिहास गवाह है कि जब-जब पूर्ण बहुमत की मजबूत सरकार केंद्र में आई है उसने राज्यों की चुनी हुई हर उस सरकार पर हमला किया है जो उसके खेमे की नहीं है। जनता के द्वारा चुनी हुई केंद्र सरकार राज्यों की जनता के द्वारा ही चुनी गई सरकार को सत्ता से बेदखल करती रही है। और इसके लिए सहारा लिया जाता रहा है अनुच्छेद 356 का। हालांकि नब्बे के दशक के बाद जब गठबंधन सरकारों का दौर शुरू हुआ तो राज्यों में राष्ट्रपति शासन थोपने की प्रवृत्ति पर कुछ लगाम लगा। अब कांग्रेस के बरक्स भगवा खेमा पूर्ण बहुमत में है। कांग्रेसमुक्त भारत का सपना पूरा करने के लिए 356 का ब्रह्मास्त्र उसके हाथ में है और कांग्रेस के मुंह पर संविधान की दुहाई। सत्ता और संविधान के इसी समीकरण पर पढ़ें इस बार का बेबाक बोल। फेडरिक नीत्शे ने लिखा है कि सत्य नहीं होते, सिर्फ व्याख्याएं होती हैं। वे एक जगह यह भी कहते हैं कि सभी चीजों की व्याख्या संभव है। किसी खास समय में जो व्याख्या प्रचलित होगी, उसका संबंध सत्ता से है, सत्य से नहीं। नीत्शे के इस कथन के साथ यहां पर हम संविधान निर्माता डॉक्टर भीमराव आंबेडकर के एक कथन को भी उद्धृत करना चाहते हैं जो उन्होंने अनुच्छेद 356 को लेकर कही थी। आंबेडकर ने कहा था, 'हम यह आशा करते हैं कि इन अनुच्छेदों के प्रयोग की आवश्यकता नहीं पड़ेगी और ये संविधान की किताब में ही बने रहेंगे। अगर कभी इन्हें अमल में लाया जाता है तो मैं आशा करता हूं कि राष्ट्रपति किसी प्रांत के प्रशासन को निलंबित करने के पहले सभी उचित सावधानी बरतेंगे'। इन दो उद्धरणों से हम सत्ता से संविधान के सत्य को भी समझ सकेंगे। हमारा देश इसका गवाह रहा है कि संविधान के प्रावधानों को सत्ता ने अपनी समझ और सुविधा के अनुसार या अनुकूल सच बनाने की कोशिश की है। और इस सच को समझने के लिए सबसे मौजू है अनुच्छेद 356 की व्याख्या। जिस शक्ति को आबंडेकर पन्नों में ही कैद रखना चाहते थे, उसका पहला इस्तेमाल नेहरू सरकार ने केरल की ईएमएस नंबुदरीपाद की सरकार को बर्खास्त करने के लिए किया था। तत्कालीन राज्यपाल बुरगुला रामाकृष्णा राव ने पूर्ण बहुमत की सूबे की सरकार को बर्खास्त करने की सिफारिश कर दी थी। यह भी ध्यान देने की बात है कि इस फैसले तक कांग्रेस अध्यक्ष बन चुकीं इंदिरा गांधी का सियासत में दखल बढ़ चुका था। पिता के शासनकाल में इसका पहला इस्तेमाल हुआ और विरासत में सत्ता मिलने के बाद पुत्री ने इस हथियार का इस्तेमाल लोकतांत्रिक तरीके से चुनी गई राज्य सरकारों की हत्या करने के लिए बार-बार किया। इंदिरा गांधी ने अपने पूरे शासनकाल में इसका पचास बार इस्तेमाल किया। लेकिन लंबे समय तक सत्ता और संविधान की व्याख्या अपनी तरह से और अपने हित में करने वाली कांग्रेस का भी वक्त आया, जब देश में एक ध्रुव यानी कांग्रेस की ओर झुकी हुई राजनीति के बरक्स भाजपा एक मजबूत ध्रुव के तौर पर खड़ी है, तब संविधान में दर्ज अधिकारों के इस्तेमाल के अपने परिप्रेक्ष्य घोषित किए जा रहे हैं। उसे सही ठहराने के अपनी राजनीतिक सुविधा के हिसाब से दलीलें भी पेश की जा रही हैं। बहरहाल, करीब दो साल पहले कांग्रेस सरकार को मोदी की अगुआई में राजग ने उखाड़ फेंका और उसके बाद मोदी ने कांग्रेस-मुक्त भारत का नारा भी दिया। अब अनुच्छेद 356 यानी राष्ट्रपति शासन का 'कांग्रेस का ब्रह्मास्त्र' भाजपा के हाथ में है और भाजपा की 'संविधान की दुहाई' कांग्रेस के मुंह पर। आज हालत यह है कि सत्ता में आने के दो साल के भीतर भाजपा इस रास्ते अरुणाचल प्रदेश में अपनी पसंद की सरकार बनवा चुकी है। अरुण जेटली कहते हैं कि उत्तराखंड में 356 लगाने का यह सबसे उचित समय है। अब 356 का सत्य और इसकी व्याख्या फिलहाल भगवा खेमे में है। इसी आलोक में उत्तराखंड में जो हुआ, अब इतिहास है। अब सबकी नजर इसी सवाल पर है कि आगे क्या होगा! देश में चुनी हुई सरकारों के बीच ऐसी अस्थिरता कोई नई बात नहीं। आखिर याद किया जा सकता है कि इसी कारण से हरियाणा के एक विधायक के एक ही दिन में तीन बार पाला बदलने के कारण सरकार गिरती-पड़ती रही और 'आया राम, गया राम' के मुहावरे का दलबदल के संदर्भ में इस्तेमाल शुरू हुआ। इसकी एक कहानी है। हालांकि यह चलन आजादी के कुछ समय बाद शुरू हो गया था, लेकिन इसका चरमोत्कर्ष 1967 में सामने आया, जब हरियाणा के हसनपुर विधानसभा क्षेत्र के सदस्य गया राम ने दो हफ्ते के अंदर तीन बार अपनी पार्टी बदल ली। कांग्रेस से चुने गए गया राम पहले युनाइटेड फ्रंट में शामिल हुए। फिर कांग्रेस में वापस आए और फिर युनाइटेड फ्रंट में चले गए। यह सब महज पंद्रह दिनों के भीतर हुआ। फिर गया राम जब कांग्रेस में लौटे तो कांग्रेस नेता राव बीरेंद्र सिंह चंडीगढ़ में उन्हें पत्रकारों के सामने लाए और घोषणा की कि 'गया राम अब आया राम' हैं। बस यहीं से 'आया राम, गया राम' दलबदलुओं की पहचान बन गई। जहां तक उत्तराखंड की बात है तो मौजूदा परिदृश्य में कह सकते हैं कि वहां भी 'आया राम, गया राम' का खेल चल रहा है। हालांकि 1985 में पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के सदन में लाए गए दलबदल विरोधी कानून के कारण अब यह इतना भी आसान नहीं कि कोई एक या दो व्यक्ति सरकार गिरा दे। कानून के प्रावधानों के कारण अब सरकारों को बनाने या पटकने में बड़ी कोशिश की दरकार है। उत्तराखंड में बागी कांग्रेस विधायकों ने जो किया, उसने मुख्यमंत्री हरीश रावत की चुनी हुई सरकार पर आफत खड़ी कर दी। रावत के कथित 'एकाधिकारी शासन' को लेकर उनकी अपनी ही पार्टी के अंदर-बाहर सुगबुगाहट होती रहती थी। कभी भी ऐसा नहीं लगा कि इससे सरकार पर कोई संकट खड़ा हो जाएगा। लेकिन आखिर हरक सिंह रावत और विजय बहुगुणा ने यह सब अकस्मात ही कर दिखाया। उसके बाद सब कुछ जाना-पहचाना ही है। बागियों का शहर छोड़ कर निकल जाना, सरकार पर वार करना। बहुमत का सवाल खड़ा करना और फिर पार्टी की केंद्रीय इकाइयों की अपनी क्रिया-प्रतिक्रिया और चाल-कुचाल के लिए प्रेरित करना। विधानसभा में बागी राज्य की सरकार को विश्वास मत हासिल करने को कह रहे थे। सरकार खुद को बचाने की हरसंभव कोशिश में जुटी थी। तारीख भी तय थी 28 मार्च। लेकिन इसके ठीक एक दिन पहले केंद्र ने हरीश रावत सरकार को बर्खास्त कर दिया। प्रदेश में राष्ट्रपति शासन लागू हो गया। राजनीतिक गलियारों में हाहाकार मच गया, लेकिन केंद्र अपने फैसले पर कायम रहा। दोनों प्रमुख पार्टियां कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी हालात को अपने तरीके से परिभाषित करती रहीं। लेकिन इसी रोज विधानसभा अध्यक्ष गोविंद सिंह कुंजवाल ने कांग्रेस के नौ बागी विधायकों की मान्यता दलबदल कानून के तहत रद्द कर दी। अपेक्षा के अनुसार ही मामला अदालत की देहरी पर पहुंच गया। और अब फैसले के लिए हमें 18 अप्रैल तक इंतजार करना है। इस बीच उत्तराखंड हाई कोर्ट के एक पीठ ने सरकार को अपना बहुमत साबित करने को कहा। बर्खास्त विधायकों को भी मतदान के लिए कहा गया। लेकिन राष्ट्रपति शासन लागू करने के लिए केंद्र सरकार ने फिर से न्यायालय का दरवाजा खटखटाया और राहत की सांस ली, क्योंकि हाई कोर्ट के एक खंडपीठ ने पहले वाले पीठ के बहुमत साबित करने के फैसले पर रोक लगा दी। गौरतलब है कि मौजूदा स्थिति में उत्तराखंड की 70 सदस्यीय विधानसभा की संख्या अब 61 ही मानी जाएगी। किसी भी स्थिति में अगर दुबारा बहुमत साबित करने की कोई स्थिति बनती है तो यह देखना होगा कि अयोग्य विधायकों को मताधिकार मिलता है या नहीं। बहरहाल, इस पर मंथन करना अब कानूनन दोनों दलों के कानूनविदों का काम है। लेकिन ध्यान रहे, 1994 में सुप्रीम कोर्ट ने एसआर बोम्मई और केंद्र सरकार के बीच के मामले पर फैसला सुनाते हुए कहा था कि 'सभी मामलों में जहां चुनी हुई सरकार के समर्थन वापसी का कुछ सदस्यों का दावा हो, सही रास्ता यही है कि मंत्रिपरिषद की ताकत विधानसभा में तय की जाए'। अभी तक के हालात में उत्तराखंड के मामले में ऐसा कुछ दिखाई नहीं दे रहा। यहां शक्ति परीक्षण के महज एक दिन पहले सरकार को बर्खास्तगी का मुंह देखना पड़ा। सुप्रीम कोर्ट ने तो यह भी कहा कि मंत्रिपरिषद की ताकत का अनुमान किसी एक व्यक्ति विशेष का निजी विचार नहीं हो सकता। ऐसा नहीं लगता कि उत्तराखंड के मामले में इन सबको कोई तरजीह दी गई है। यह माना जा रहा है कि उत्तराखंड में शक्ति परीक्षण विधायकों की खरीद-फरोख्त में भी परिवर्तित हो सकता था। एक पत्रकार ने तो मुख्यमंत्री का स्टिंग भी कर डाला। इससे यह तो तय हुआ कि खुद की कुर्सी सलामत रखने के लिए जनहित के लिए सुशासन के जिम्मेदार नेता अपनी ही सरकार के भ्रष्टाचार के आरोपों से मुंहमोड़ सकते हैं।

स्वामाधिकारी (मुद्रक, प्रकाशक, मालिक व सम्पादक) मनोज भारद्वाज द्वारा नीलू प्रिंटिंग प्रैस, प्लॉट नं. 3/1, टीसीसी, कॉलेक्स, सेक्टर 10 फरीदाबाद-121006 से छपवाकर मुख्य कार्यालय बी 2403 गली नं. 8 25 फुट रोड एसजीएम नगर एनएच-4 एन आई टी फरीदाबाद से प्रकाशित। आरएनआई नं.-HARHIN/2012/41589

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र फरीदाबाद न्यायालय होगा।

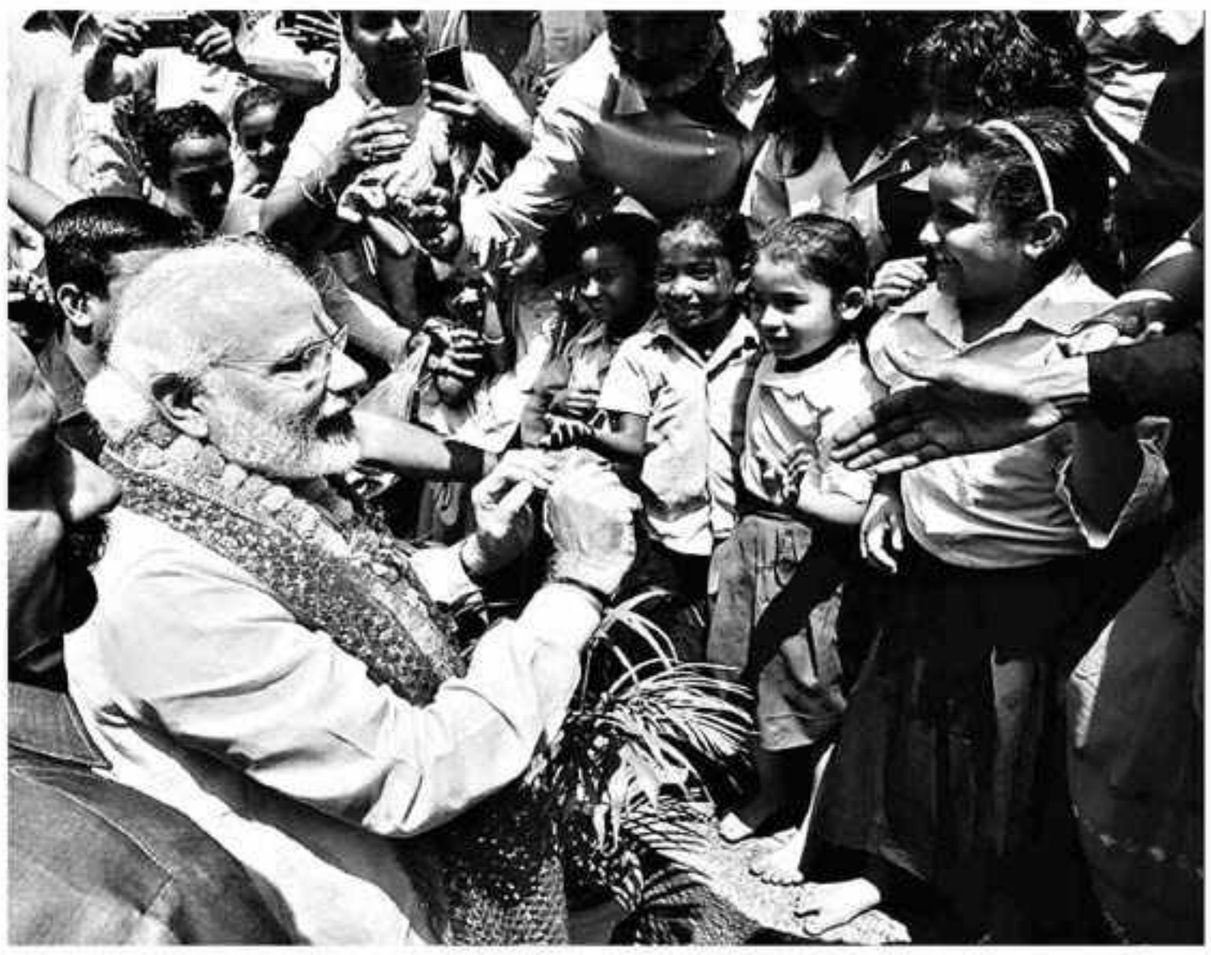

असम में प्रधानमंत्री बच्चों से मिलते हुए।

कांग्रेस को असम के नहीं अपने बच्चों की

गुवाहाटी। शुक्रवार को पीएम नरेंद्र मोदी ने असम के राहा में एक चुनावी रैली के दौरान कांग्रेस पार्टी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कुछ लोग यहां आ रहे हैं उन्हें अपने बेटे-बेटियों की परवाह है उन्हें असम के बेटे बेटियों की परवाह नहीं हैं। मोदी ने कहा कि मुझे असम के बेटे बेटियों की परवाह है मैं उनके विकास के लिए काम करना चाहता हूं। मोदी ने कहा कि असम की पवित्र धरती को नमन करता हूं।

नरेंद्र मोदी ने कहा कि पहले चरण के मतदान के बाद यहां के मुख?यमंत्री ने मुस्कराना छोड़ दिया है। वह अब दिल्ली के लोगों को बुलाने लगे हैं और कहने लगे हैं कि मुझे बचा लो। यहां की सरकार का राज्य सरकार पर से भरोसा उठ गया है। मोदी ने कहा कि आपसब बीजेपी को बहुमत के साथ सरकार बनाने का

एक मौका दें। यहां विकास ही विकास होगा। हिंदुस्तान के सवा सौ करोड़ लोगों के कारण आज दुनियाभर में भारत का जयकार हो रहा है। मोदी ने कहा कि आपलोग असम में ऐसा बहुमत दीजिए कि पांच साल तक आपके विकास में कोई रुकावट नहीं आए। मोदी ने कहा कि आज हिंदुस्तान जहां भी है उसमें एक तिहाई योगदान असम का है, लेकिन पिछली सरकारों की वजह से असम का विकास नहीं हुआ। केंद्र सरकार जो पैसे असम के विकास के लिए भेजती है, यहां की सरकार उस पैसे को खर्च नहीं कर पाती है. उन्होंने कहा कि असम की गोगोई सरकार ने केवल यहां की जनता को लूटने का काम किया है, गोगोई सरकार को 15 सालों का हिसाब देना होगा।

संक्षिप्त समाचार

बीजेपी के 5 प्रदेशाध्यक्षों के नामों का ऐलान

नई दिल्ली। बीजेपी ने पांच राज्यों के प्रदेश अध्यक्षों का ऐलान कर दिया है. ये पांच राज्य कर्नाटक, उत्तर प्रदेश, पंजाब, तेलंगाना और अरुणाचल प्रदेश हैं. बी.एस. येदियुरप्पा को कर्नाटक का अध्यक्ष बनाया गया है, जबकि केशव प्रसाद मौर्य यूपी के प्रदेश अध्यक्ष होंगे. विजय सांपला को पंजाब का पार्टी अध्यक्ष बनाया है. वहीं तेलंगाना के डॉ.के. लक्ष्मण हैं और अरुणाचल प्रदेश के तापिर गाव हैं. बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह ने इन पांचों प्रदेश अध्यक्षों की नियुक्ति की है. ये नियुक्ति तत्काल प्रभाव से लागू हो गई हैं. बी.एस. येदियुरप्पा कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री हैं. इन पर भ्रष्टाचार के भी आरोप लग चुके हैं. पार्टी से निकालने के बाद 2014 लोकसभा चुनाव में इनकी पार्टी में वापसी हुई थी. यूपी के नए प्रदेश अध्यक्ष केशव प्रसाद मौर्य वर्तमान में फूलपुर से सांसद हैं. अगले साल राज्य में चुनाव भी होने हैं. वहीं पंजाब के प्रदेश अध्यक्ष विजय सांपला केन्द्रीय राज्य मंत्री हैं.

पाक के यू-टर्न पर दिल्ली में हाईलेवल मीटिंग

नई दिल्ली। पठानकोट वायु सैनिक अड्डे पर आतंकवादी हमले की जांच के लिए आए पाकिस्तान के संयुक्त जांच दल के लौटने के बाद पाकिस्तान के रुख में आए बदलाव पर चर्चा के लिए गृह मंत्री राजनाथ सिंह ने आज यहां राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल तथा अन्य अधिकारियों के साथ उच्च हाईलेवल मीटिंग की। भारत में पाकिस्तान के उच्चायुक्त अब्दुल बासित के ताजा बयान की पृष्ठभूमि में हुई इस बैठक को काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। बैठक में गृह सचिव राजीव महर्षि और खुफिया ?यूरो के प्रमुख तथा कुछ अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने भी हिस्सा लिया। पाकिस्तान के बदले रुख पर बैठक में मुख्य रूप से चर्चा हुई। बासित के बयान के बाद इस तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं कि पाकिस्तान नहीं चाहता कि राष्ट्रीय जांच एजेन्सी (एनआईए) का दल पठानकोट हमले की जांच के सिलसिले में पाकिस्तान आये। बासित ने कहा है कि दोनों देशों के बीच इस हमले की जांच में सहयोग जांच दलों के आदान प्रदान पर निर्भर नहीं है। भारत का कहना है कि पाकिस्तान के जांच दल के भारत आने से पहले ही एनआईए के पाकिस्तान दौरे पर सहमति बन चुकी थी। पाकिस्तान के जांच दल ने भी लौटने से पहले इसका स्वागत किया था। पाकिस्तान का जांच दल पिछले महीने के अंत में भारत आया था और उसके लौटने के बाद पाकिस्तान के मीडिया में इस दल की रिपोर्ट के हवाले से कहा गया था कि भारत ने खुद इस हमले का ड्रामा रचा था और वह पाकिस्तान को बदनाम करना चाहता है।

पनामा पेपर्स मामले में एल सल्वाडोर के कार्यालयों पर छापा

सैन साल्वाडोर। पुलिस ने पनामा पेपर्स घोटाला के मद्देनजर पनामा के विधि फर्म के एल-साल्वाडोर में मौजूद कार्यालयों पर छापा मारा। इस घोटाले से खुलासा हुआ है कि कई देशों के नामी गिरामी रइसों ने किस तरह विदेशों में अपना धना छुपाया है। एल साल्वाडोर के

सरकारी वकील ने अपने ट्विटर अकाउंट पर बताया कि फर्म मोसैक फोंसेका के सैन साल्वाडोर के कार्यालयों पर छापा मारा गया और बड़ी तादाद में कंप्यूटर उपकरण जब्त किए गए। बुधवार को एल साल्वाडोर में अधिकारियों ने घोषणा की थी कि उन्होंने यह पता लगाने के लिए जांच शुरू की है कि देश के जिन लोगों के नाम पनामा पेपर्स की रिपोर्टों में आए हैं उन्होंने क्या कानून का उल्लंघन किया है? जानकारी के मुताबिक, इसमें साल्वाडोर के करीब 33 लोगों के नाम हैं। सरकारी वकील डगलस मेलेंडेज ने विधि फर्म के परिसरों का दौरा किया था। मोसैक फोंसेका के कर्मचारी एक दिन पहले गुरुवार को शाखा कार्यालय को छोड़ कर चले गए।

महिलाओं को शिंगणापुर में चबूतरे पर पूजा करने की इजाजत

अहमदनगर। महाराष्ट्र के शनि शिंगणापुर मंदिर में आज 400 साल पुरानी परंपरा टूट गई है। यहां स्थित चबूतरे पर महिलाओं को भी पूजा करने की इजाजत मिल गई है। दरअसल, आज यहां करीब 100 पुरुषों ने जबरन पूजा की थी। वह एक-एक कर चबूतरे पर पहुंचे और उन्होंने शिला को नहलाया। पुरुषों का यह शिला पूजन महाराष्ट्र सरकार के आदेश के खिलाफ था। इस घटना के बाद मंदिर के ट्रस्ट ने फैसला लिया कि महिलाओं को भी इस चबूतरे पर पूजा करने की इजाजत होगी। हम अदालत के फैसले का सम्मान करते हैं।

गौरतलब है कि सरकार ने 9 फरवरी 2011 से ही चबूतरे में पूजन पर पाबंदी लगा रखी थी। पिछले काफी समय से महिलाएं यहां पूजा करने की कोशिश करती रही हैं, जिनका विरोध हुआ है। इसको लेकर मामला अदालत में भी पहुंचा। अदालत में राज्य सरकार ने साफ किया था कि मंदिर में महिलाओं के जाने पर किसी भी तरह की रोक नहीं है। कोर्ट ने कहा था कि हिन्दू मंदिरों में महिला और पुरुषों को पूजा का समान अधिकार है।

शनि मंदिर में तेल चढ़ाने पर विवाद

पिछले साल शनि शिंगणापुर मंदिर में शनि की मूर्ति पर एक महिला द्वारा तेल चढ़ाने पर यह विवाद शुरू हुआ था। महिला के तेल चढ़ाने के बाद मंदिर का शुद्धिकरण किया गया था। इसके बाद भूमाता रणरागिनी ब्रिगेड की महिलाओं ने मंदिर में प्रवेश की कोशिश भी की, लेकिन पुलिस ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए उन्हें मंदिर पहुंचने से पहले ही रोक लिया। तब से अब तक वह कई कोशिश कर चुकी हैं।

श्रीनगर के जामिया मस्जिद इलाके में पथराव

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर इलाके में प्रदर्शन और पथराव हुई। जामिया मस्जिद के इस इलाके में पाकिस्तान, आईएस और जमात-उद-दावा के झंडे लहराये गए और नारेबाजी की गई। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस इलाके में ऐसा पहले भी होता रहा है। पुलिस ने इन

प्रदर्शनकारियों पर काबू पाने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े। इसके साथ ही कड़ी सुरक्षा के बावजूद श्रीनगर हड्डुज के सामने भी पत्थर फेंके गए। वैसे, हड्डुज श्रीनगर में अब धीरे-धीरे हालात सामान्य हो रहे हैं। स्थानीय छात्रों का दावा है कि क्लासेज़ शुरू हो गई हैं और माहौल सामान्य हो रहा है हालांकि कैंपस में सुरक्षा बढ़ा दी गई है ताकि किसी तरह का तनाव न हो।

संयुक्त राष्ट्र ने भारत-पाक मसले को सुलझाने में मदद की पेशकश की

संयुक्त राष्ट्र । भारत के साथ द्विपक्षीय शांति प्रक्रिया निलंबित होने की पाकिस्तान की घोषणा के बाद संयुक्त राष्ट्र महासचिव बान की-मून ने कहा कि विवाद हल करने में उनकी मदद की पेशकश बरकरार है लेकिन यह दोनों देशों पर है कि वे उनकी मदद चाहते हैं या नहीं। बान के प्रवक्ता स्तेफाने दुयारिच ने कहा कि जब भी सदस्य देशों के बीच कोई विवाद, कोई मुद्दा होता है, उसी तौर पर महासचिव की मदद की पेशकश होती है। लेकिन इस पर दोनों पक्षों को सहमत होना होता है और मांग करनी होती है। दुयारिच ने ये बातें उस समय कही जब उनसे पूछा गया कि ऐसे मौके पर जब भारत और पाकिस्तान के बीच की शांति वार्ता एक बार फिर बाधित हुई है, क्या महासचिव अपनी मदद की पेशकश करना चाहेंगे। भारत और पाकिस्तान के बीच के रिश्तों में एक ताजा गतिरोध पैदा करते हुए पाकिस्तानी उच्चायुक्त अब्दुल बासित ने सात अप्रैल को कहा कि द्विपक्षीय शांति प्रक्रिया निलंबित है। उन्होंने भारत की इन अपेक्षाओं पर भी ठंडा पानी डाल दिया कि पठानकोट में आतंकी हमले की जांच के संबंध में पाकिस्तान की संयुक्त जांच टीम (जेआइटी) की भारत यात्रा के बाद पारस्परिकता के आधार पर भारत की एनआइए टीम को पाकिस्तान की यात्रा पर जाने की इजाजत मिलेगी। बहरहाल, भारत ने पाकिस्तानी उच्चायुक्त के इन दावों का खंडन किया कि पाकिस्तानी जेआइटी की भारत यात्रा पारस्परिकता के आधार पर नहीं थी और कहा कि पाकिस्तानी टीम की यात्रा के पहले दोनों पक्षों ने सहमति जताई थी कि यह पारस्परिकता के आधार पर होगी।

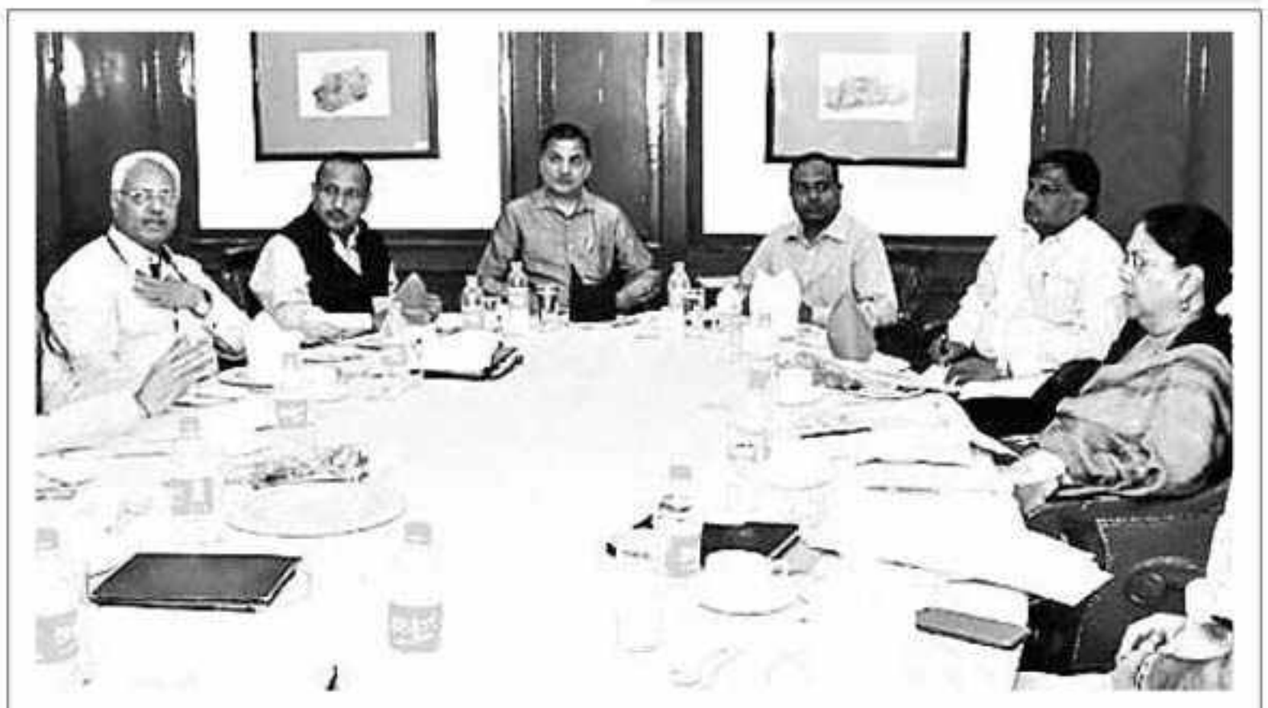

राजस्थान की मुख्यमंत्री श्रीमती वसुंधरा राजे सिंधिया नई दिल्ली में बिजली, कोयला और नवीन तथा नवीकरणीय ऊर्जा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री पीयूष गोयल के साथ बैठक करती हुई।

उत्तर कोरिया ने किया अंतर-महाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल इंजन का सफल परीक्षण

सोल। उत्तर कोरिया ने आज कहा कि उसने अंतर-महाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल (आईसीबीएम) के लिए डिजाइन किए गए एक इंजन का सफलतापूर्वक परीक्षण किया है, जिससे उसे अमेरिकी भूभाग पर परमाणु हमला करने की क्षमता हासिल हो गई है।

'कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी' (केसीएनए) के हवाले से दी गई इंजन के जमीनी परीक्षण की खबर में अगर सच्चाई है तो यह उत्तर कोरिया के परमाणु हथियार कार्यक्रम की दिशा में एक बड़ा कदम होगा और इस साल की शुरूआत में यह उसका चौथा परमाणु परीक्षण होगा।

बहरहाल, उत्तर कोरिया अमेरिकी भूभाग पर परमाणु मिसाइल दाग सके, इससे पहले उसे अभी बहुत काम करने की जरूरत है।

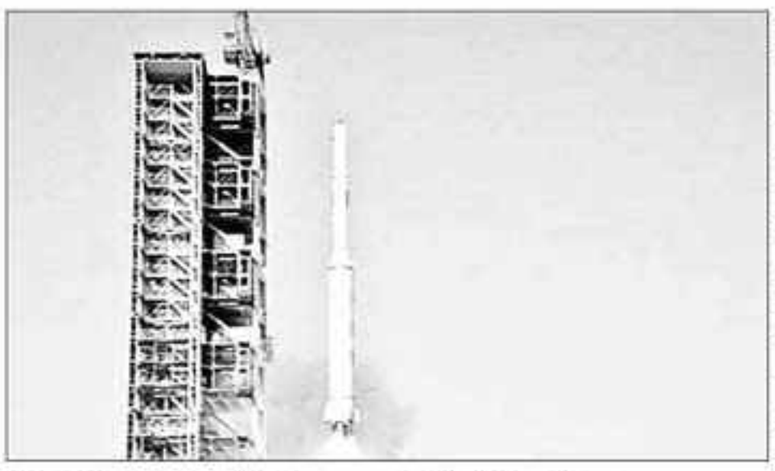

दक्षिण कोरिया के अधिकारियों ने बताया कि उत्तर कोरिया के पास अभी तक कोई विश्वसनीय अंतर-महाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल नहीं है। उत्तर कोरिया की आधिकारिक समाचार एजेंसी केसीएनए ने इस परीक्षण की घोषणा की थी, जो देश के परीक्षणों की कड़ी में ताजा घटना है। अमेरिका और उसके सहयोगी उत्तर कोरियाई की इस कार्रवाई को उकसावे वाला कार्य मानते हैं।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने उत्तर कोरिया की किसी भी बैलिस्टिक गतिविधियों पर रोक लगाई है, जिसका उल्लंघन करते हुए उत्तर कोरिया ने पिछले महीने ही मध्यम-दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल का प्रक्षेपण किया था। वर्ष 2014 के बाद उत्तर कोरिया का यह पहला मध्यम-दूरी का मिसाइल प्रक्षेपण था।

अमेरिका में विदेश विभाग के प्रवक्ता मार्क टोनर ने उत्तर कोरिया से 'इस तरह की कार्रवाई से बचने और क्षेत्र को अस्थिर करने वाली बयानबाजी के बजाय अपनी प्रतिबद्धताओं एवं अंतरराष्ट्रीय दायित्वों को पूरा करने की दिशा में ठोस कदम उठाने पर ध्यान केंद्रित करने'' को कहा। केसीएनए के अनुसार, उत्तर कोरियाई नेता नयी उपलब्धि से बेहद प्रसन्न हैं। बहरहाल, परीक्षण कब हुआ इस बारे में केसीएनए ने नहीं बताया। एजेंसी ने किम के हवाले से कहा है कि अब उत्तर कोरिया अपने हमला क्षेत्र से अपने शत्रुओं पर और अधिक शक्तिशाली परमाणु हथियारों से लैस नए तरह के अंतर महाद्वीपीय बैलिस्टिक रॉकेट हमले कर सकता है तथा इस ब्रह्मांड में उनका नामोनिशान मिटाते हुए उन्हें खाक में मिला सकता है।

ब्रसेल्स विस्फोट में जेट एयरवेज चालक दल के दो सदस्य घायल

वाशिंगटन । वीजा से जुड़े एक घोटाले के पर्दाफाश के लिए कानून प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा किये गये एक फर्जी विश्वविद्यालय संबंधी स्टिंग ऑपरेशन के तहत अनजाने में अमेरिका आ गये करीब 306 भारतीय छात्रों को चिह्नित कर लिया गया है और उनके निर्वासन की प्रक्रिया शुरू हो गई है। यूएसआईसीई होमलैंड सिक्योरिटी इन्वेस्टिगेशन्स के प्रवक्ता एल्विन फिलिप्स ने बताया, %भारत के 306 लोग, जो तथाकथित रूप से यूनिवर्सिटी ऑफ नॉर्दन न्यूजर्सी में छात्र के रूप में आये, उनकी पहचान कर ली गई है, उनके ठिकाने का पता लगा लिया गया है और उचित प्रक्रिया के अनुरूप उन्हें देश से निकालने की आवश्यक प्रक्रिया शुरू हो गई है। स्टिंग ऑपरेशन के मामले में गिरफ्तार किये गये 21 लोगों में 10 भारतीय-अमेरिकी हैं।

रसोईघर का ही नहीं, बीमारियों की दवा भी है अदरक

मसाले के रूप में अदरक का प्रयोग लगभग पूरे संसार में किया जाता है। जिंजिबेरासी परिवार से संबंध रखने वाले अदरक का वनस्पतिक नाम जिंजिबेर ओफ्फिचिनाले रोस्को है। यह एक प्रकार का कंद देने वाला पौधा है जिसकी खेती कंकरीली दोमट मिट्टी में अच्छी होती है जहां पानी का ठहराव नहीं होता। अदरक को सुखाकर सोंठ बनाई जाती है इसका भी मसाले तथा औषधि के रूप में व्यापक प्रयोग होता है।

आयुर्वेद में अदरक को रुचिकारक, पाचक, स्निग्ध, उष्ण वीर्य, कफ तथा वातनाशक, कटु रस युक्त विपाक में मधुर, मलबंध दूर करने वाली, गले के लिए लाभकारी, श्वास, शूल, वमन, खांसी, हृदय रोग, बवासीर, तीक्ष्ण अफारा पेट की वायु, अग्निदीपक, रूक्ष तथा कफ को नष्ट करने वाली बताया गया है।

जुकाम में चाय में अदरक के साथ तुलसी के पत्ते तथा एक चुटकी नमक डालकर गुनगुनी अवस्था में पीने से लाभ मिलता है। गले में खराश होने या खांसी होने पर ताजा अदरक के टुकड़े को नमक लगाकर चूसने से आराम मिलता है। बुखार, फ्लू आदि में अदरक तथा सौंफ के रस में शहद मिलाकर सेवन करने से शीघ्र पसीना आकर बुखार उतर जाता है। ऐसे में अदरक की चाय भी फायदेमंद होती है। गला पकने या इन्फ्लुएंजा होने पर पानी में अदरक का रस तथा नमक मिलाकर गरारे करने से शीघ्र लाभ मिलता है।

पेट संबंधी समस्याओं के निदान में भी अदरक बहुत लाभदायक सिद्ध होता है। अफारे और अजीर्ण में सोंठ का चूर्ण, अजवायन, इलायची का चूर्ण लेकर मिलाकर पीस कर रख लें। दिन में प्रत्येक भोजन के बाद इसका सेवन करें। बच्चों के पेट में दर्द की शिकायत होने पर अदरक का रस दूध में मिलाकर पिलाना चाहिए इससे गैस तथा अफारे की समस्या दूर हो जाती है। सोंठ और गुड़ की बनी गोलियों के नियमित सेवन से, आंव आने की समस्या का समाधान हो जाता है। आमाजीर्ण में भी सोंठ और गुड मिलाकर सेवन करना चाहिए इससे पाचक अग्नि ठीक हो जाती है। गजपिप्पली और सोंठ के चूर्ण का दूध के साथ सेवन पेट के विकारों के लिए एक आदर्श औषधि है।

भूख बढ़ाने तथा भोजन के प्रति रूचि पैदा करने के लिए भोजन से पहले थोड़ा सा अदरक या सोंठ का चूर्ण नमक मिलाकर खाना चाहिए। इससे पाचन शक्ति बढ़ती है और कब्ज का निदान होता है। छोटों या बड़ों को यदि खालिस दूध न पचने की शिकायत हो तो दूध में सोंठ की गांठ उबालकर या सोंठ का चूर्ण बुरकाकर सेवन करना चाहिए।

48 ग्राम सोंठ, 200 ग्राम तिल तथा 120 ग्राम गुड़ को मिलाकर कूट लें। इस मिश्रण की 12 ग्राम मात्रा का सेवन रोज करने से वायुगोला शांत होता है। पेट की ऐंठन तथा योनि शूल का दूर करने के लिए यह एक कारगर औषधि है। खाली पेट अधिक पानी पीने से हुए पेटदर्द को दूर करने लिए सोंठ के चूर्ण का गुड़ के साथ सेवन करना चाहिए।

संग्रहणी रोग में भी अदरक खासा फायदेमंद होता है। संग्रहणी में आम विकार के निदान के लिए सोंठ, मोथा और अतीस का काढ़ा बनाकर रोगी को देना चाहिए। इसके अतिरिक्त मसूर के सूप के साथ सोंठ और कच्चे बेल की गिरी के कल्क का सेवन करने से भी लाभ होता है। ज्वरातिसार एवं शोथयुक्त ग्रहणी रोग में प्रतिदिन सोंठ के एक ग्राम चूर्ण का दशमूल के काढ़े के साथ सेवन करना चाहिए।

उल्टी होने पर अदरक के रस में पुदीने का रस, नींबू का रस एवं शहद मिलाकर सेवन करना चाहिए। उल्टियां रोकने के लिए अदरक के रस में, तुलसी के पत्तों का रस, मोरपंख की राख तथा शहद मिलाकर सेवन करने से शीघ्र लाभ होता है।

रोमांटिक फिल्म देखने के दौरान करेंगे ऐसा तो संवरेगी सेहत!

दुनिया भर के वैज्ञानिकों ने अलग-अलग शोध के नतीजों के आधार पर कहा है कि इश्क करने वालों की सेहत अच्छी रहती है। मनोवैज्ञानिक डॉ. जोसेफ हुलेट ने अपने शोध में पाया है कि दर्द के दौरान कोई महिला अपने पति का हाथ पकड़ती है, तो उसे दर्द से राहत मिलती है। एक आम अध्ययन में पाया गया है कि नियमित रूप से अंतरंग संबंध न बनाने वाले स्ट्रेस में रहते हैं जबकि ऐसा करने वाले ऑक्सीटोसिन के उत्सर्जन से खुशमिजाज और प्रसन्न रहते हैं और साथ ही इनकी रोग निवारक क्षमता भी बढ़ती है। एक अध्ययन से यह भी पता चलता है कि रोमांटिक फिल्म देखने के दौरान दंपत्ति एक दूसरे का आलिंगन करें और हाथ पकड़ें तो ब्लडप्रेशर नियंत्रित रहता है। जबकि एक शोध की रिपोर्ट दावा करती है कि शादीशुदा लोगों में एकाकी जीवन जीने वालों की तुलना में स्ट्रोक से मृत्यु होने की संभावना कम रहती है।

जरूरत से ज्यादा नियंत्रण बच्चों में बढ़ाता है विकार

मां का शिशु से इतना गहरा जुड़ाव होता है कि वह कोई रिस्क नहीं लेती और इस अतिरिक्त सावधानी के कारण अकसर बच्चों की चाह की अनदेखी हो जाती है। बच्चों के केअर-कन्सर्न यानी देखरेख और उन पर दबाव में फर्क है, जिसे मांएं अकसर भूल जाती हैं। बच्चों की देखरेख के नाम पर अत्यधिक नियंत्रण बच्चों की ब्रेन ग्रोथ को प्रभावित कर देती है।

मां को यह समझना जरूरी है कि बच्चों की अपनी चाह होती है, जिसे वे बता नहीं पाते। छोटे बच्चों की चाह की उपेक्षा तो क्षम्य है क्योंकि तब बच्चा पूरी तरह मां पर निर्भर होता है। लेकिन बच्चों के बड़े होने के साथ ही मुश्किलें भी बढ़ना शुरू हो जाती हैं। किशोर उम्र के बच्चों के साथ ज्यादा समय गुजारें, उनकी बात सुनें। उनसे बहस ना करें, बल्कि बातों ही बातों में उन्हें जरूरी बातें समझाएं, सिखाएं। बच्चों से अपनी बात मनवाने के लिए यह कभी नहीं कहें कि ऐसा ही करो, क्योंकि आप कह रहे हैं।

बच्चों को सपार्ट करें, नियंत्रित नहीं

निष्कर्ष यह है कि मांएं बच्चों की चाह को समझकर उन्हें सपोर्ट दें, नियंत्रित नहीं करें। ऐसी मांओं को अपने बच्चों से बड़े होने पर ज्यादा प्यार व आदर मिलता है। किशोर अवस्था जीवन का सबसे नाजुक दौर है, जिसे सावधानी से हैंडल करना चाहिए। मसलन, बच्चों को रोड क्रॉस करते समय यह बताना जरूरी है कि वे सड़क पर चलने वाले वाहनों को देखें, फिर क्रॉस करें। ऐसे निर्देशों का बच्चों पर नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ता, पर यदि किशोर बच्चे को खेलने से रोकेंगे या उसके खेलने के तरीके में दखलअंदाजी करेंगे तो वह पसंद नहीं करेगा। यानी बच्चों को उनकी उम्र के हिसाब से रोकें-टोकें।

सिखाएं बुनियादी बातें

जो मां-पिता बच्चों को बुनियादी बातें सीखा देते हैं, वे बच्चे ना केवल सुरक्षित फैसले खुद लेने लगते हैं, बल्कि उनके क्रियाकलापों में बुद्धिमत्ता भी होती है। किशोर उम्र के बच्चों के साथ ज्यादा समय गुजारें, उनकी बात सुनें। उनसे बहस ना करें, बल्कि बातों ही बातों में उन्हें जरूरी बातें समझाएं, सिखाएं। बच्चों से अपनी बात मनवाने के लिए यह कभी नहीं कहें कि ऐसा ही करो, क्योंकि आप कह रहे हैं।'

अगस्त्य पेड़ के 5 तत्व दूर करते हैं सूजन

आयुर्वेद के अनुसार अगस्त्य पेड़ शरीर से विषैले तत्वों को निकालने का काम करता है। इसके पंचांग (फूल, फल, पत्ते, जड़ व छाल) रस और सब्जी के रूप में प्रयोग होते हैं। इस पेड़ में आयरन, विटामिन, प्रोटीन, कैल्शियम व कार्बोहाईड्रेट पर्याप्त मात्रा में होते हैं। जानते हैं इसके फायदों के बारे में।

पत्ते

बुखार, कफ, सूजन, फुंसियां, संक्रमण, पेटदर्द, कीड़े व कब्ज जैसे रोगों में इसके पत्तों का 1-2 चम्मच रस 1 चम्मच शहद के साथ लेने से लाभ होता है।

फूल

इसके फूलों के एक गिलास रस को एक चौथाई होने तक गर्म करें। ठंडा होने पर प्रयोग करने से ऊपर दिए रोगों में फायदा होगा।

किडनी के मरीज इस चीज से सदा रहें दूर

जिन लोगों की किडनी कमजोर है या फिर वे किसी किडनी के विकार से परेशान हैं, तो उन्हें प्रोटीन वाला आहार सोच-समझ कर लेना चाहिए

नया शोध कहता है कि मांसयुक्त आहार से असाध्य किडनी रोग से पीड़ितों की किडनी फैल्यर का खतरा तिगुना हो जाता है। अध्ययनकर्ताओं ने सलाह दी है कि ऐसे रोगी कम मांसाहार करें।

अमरीकन सोसाइटी ऑफ नेफ्रोलॉजी नामक जर्नल के आगामी अंक में प्रकाशित होने वाले अध्ययन में डाइटरी एसिड का असर किडनी पर प्रस्तुत किया गया है

ताजा अध्ययन क्रोनिक किडनी डिजीज (सीकेडी) के रोगियों पर किया गया था। शोधार्थियों ने ऐसे रोगियों के आहार में अधिक मांस तथा कम मांस सेवन के आधार पर आकलन किए और नतीजों में कहा कि कम मात्रा में मांसयुक्त आहार लेने वाले क्रोनिक किडनी डिजीज के पीड़ितों की तुलना में अधिक मात्रा में मांसयुक्त डाइट लेने वालों की किडनी फेल होने की संभावना तीनगुनी अधिक होती है।

रिस्क को कम करने के लिए अध्ययनकर्ताओं ने मरीजों को अपने आहार में मांस को सीमित करने तथा अधिक से अधिक फल तथा सब्जियों का सेवन करने की सलाह दी है, जो किडनी को फेल होने से रोक सकें। यह रिसर्च कैलिफॉर्निया विश्वविद्यालय की ओर से किया गया है, जिसमें 1486 सीकेडी के रोगियों के स्वास्थ्य को परखा गया।

अध्ययनकर्ताओं ने देखा कि डाइटरी एसिड की उच्च मात्रा से किडनी के काम बंद होने की प्रक्रिया तेज हो जाती है।

कई सारे गुण का भंडार है फिटकरी, जानें इसके फायदे

बहुत कम लोग फिटकरी के विभिन्न उपयोग से वाकिफ हैं। फिटकरी हमारे कई काम आती है। जानिए गुणकारी फिटकरी के कुछ उपयोग के बारे में। लगभग हर घर में मिल जाने वाली फिटकरी में कई सारे गुण होते हैं, यह एंटी-बैक्टीरियल होती है, इसलिए बैक्टीरिया खत्म करती है। दांत-दर्द में यह विशेष फायदेमंद मानी जाती है।

दांतों के लिए- फिटकरी और काली मिर्च पीसकर दांतों की जड़ों में मलने से दर्द में फायदा होता है। भुनी फिटकरी एक तोला, भुना हुआ तूतिया छह माशा, कत्था एक तोला, इन सबको कूट-पीसकर मंजन बनाकर लगाने से भी दांतों के दर्द में आराम मिलता है।

कान बहने पर- कान में फुंसी हो या मवाद आती हो तो एक प्याले में थोड़ी-सी फिटकरी पीसकर पानी डालकर घोलें और पिचकारी से कान धोएं।

आंखों के लिए- आधा चम्मच शहद और दो ग्राम फिटकरी पिसी हुई, किसी छोटी-सी डिबिया में डालकर ढक्कन बंद करके रख दें। शहद और फिटकरी के इस मिश्रण की सलाई सुबह और शाम दोनों समय आंखों में लेते रहें। इससे आंखों की लाली भी दूर होती है।

खाज खुजली- खुजली वाली जगह को फिटकरी वाले पानी से धोएं और बाद में उस जगह पर थोड़ा-सा कड़वा तेल लगा लें। उस पर थोड़ा-सा कपूर भी डाल लें। खाज-खुजली दूर होगी।

प्रदर- पंसारी से संगे जराहत और फिटकरी लेकर, पीस लें। आधा ग्राम चूर्ण की फंकी ताजा पानी के साथ या गाय के दूध के साथ सुबह, दोपहर और शाम दिन में तीन बार लें।

चैत्र नवरात्रि का महत्व और पूजा

चैत्र और आश्विन नवरात्रि ही मुख्य माने जाते हैं। इनको यथाक्रम वासंती और शारदीय नवरात्र कहते हैं। इनका आरंभ चैत्र और आश्विन शुक्ल प्रतिपदा को होता है। ये प्रतिपदा 'सम्मुखी' शुभ होती है।

स्त्री हो या पुरुष, सबको नवरात्रि पर व्रत करना चाहिए। यदि किसी कारणवश स्वयं न कर सकें तो प्रतिनिधि यानि पति, पत्नी, ज्येष्ठ पुत्र, सहोदर या ब्राह्मण द्वारा कराएं। नवरात्रि में घटस्थापन के बाद सूतक हो जाए तो कोई दोष नहीं, परंतु पहले हो जाए तो पूजनादि स्वयं न करें। चैत्र के नवरात्र में शक्ति की उपासना तो प्रसिद्ध है ही, साथ ही शक्तिधर की उपासना भी की जाती है।

उपवास की सावधानियां

डीहाइड्रेशन की आशंका को खत्म करने के लिए, विशेष रुप से मधुमेह से ग्रस्त लोग, जिनमें ब्लड शुगर के स्तर के बढे होने से शरीर में पानी की कमी का खतरा कहीं ज्यादा होता है,व्रत के दौरान पानी अथवा अन्य पेय पदार्थ जैसे नीबू पानी, नारियल पानी, दूध एवं मठ्ठे का प्रयोग अधिक करना चाहिए।

■ पेय पदार्थ के सेवन से शरीर के विषैले तत्व आसानी से बाहर निकल जायें।

■ जहां तक सम्भव हो शाम को लिये जाने वाले ठोस पदार्थ सूर्यास्त के पहले ही ग्रहण कर लिए जायें।

■ भोजन में सैंधा नमक का प्रयोग करना बेहतर है।

■ मधुमेह, उच्च रक्तचाप और हृदय रोगों से पीड़ित लोगों को नवरात्र में व्रत काफी सोच-विचार कर रखना चाहिए। ऐसा इसलिए क्योंकि खानपान व दिनचर्या में लापरवाही बरतने से ऐसे लोग कई समस्याओं के शिकार हो सकते हैं।

■ मधुमेह के रोगियों को थोड़ी-थोड़ी मात्रा में, हर तीन या चार घंटे में कुछ न कुछ खाद्य पदार्थ अवश्य खा लेने चाहिए। खाने के मामले में लंबा अंतराल नहीं रखना चाहिए और भूख से अधिक भी ग्रहण नहीं करना चाहिए। मधुमेह के रोगियों को उपवास के दौरान दिन में कई बार रक्त में शुगर के स्तर की जांच करनी चाहिए।

■ ऐसे मधुमेह रोगी,जिनका दवाओं से मधुमेह नियत्रित है, वे कुछ सजगताएं, जैसे खानपान में लंबा अंतराल बिल्कुल नहीं रखना, बरतकर व्रत रख सकते हैं।

■ ऐसे व्यक्ति जिन्होंने खान-पान व व्यायाम से मधुमेह को नियत्रण में रखा है, वे भी व्रत रख सकते हैं।

■ लोगों का ब्लड शुगर लेवल बमुश्किल नियंत्रण में रहता है, उन्हें व्रत नहीं रखना चाहिए।

■ इंसुलिन लेने वाले मधुमेह रोगियों को व्रत नहीं रखना चाहिए।

■ व्रत में मधुमेह से ग्रस्त व्यक्ति कूट्टू के आटे से निर्मित रोटी लौकी, कद्दू की सब्जी के साथ खा सकते हैं। कूट्टू का चीला, समा के चावल, खीरे के रायते के साथ,ताजा पनीर, मखखन भी व्रत रखने वाले लोगों के लिए लाभप्रद है। एक नियमित अंतराल पर फल लें। स्नैक्स में बादाम और रोस्टेड मखाना भी ले सकते हैं।

■ उच्च रक्तचाप वाले व्यक्ति और हृदय रोगी अधिक तैलीय पदार्थों के सेवन से बचें। तले हुए आलू के स्थान पर भुने हुए आलू का सेवन अधिक ठीक रहेगा।

■ यदि आप कम रक्तचाप से परेशान हैं तो अधिक देर तक बिना खाए न रहें। भूखे रहने से रक्तचाप में और कमी आ सकती है और बेहोश होने या हाथ-पावं ठंडे होकर अकड़ने का खतरा बढ़ जाता है। फलाहार लेते रहें, इससे शरीर में ऊर्जा बनी रहेगी।

■ डॉक्टरों के मुताबिक गैस के रोगियों को देर तक भूखा नहीं रहना चाहिए। बीच-बीच में कुछ खाते या पीते रहना जरूरी है। वायु विकार से पीड़ितों को एक बात का और ख्याल रखना चाहिए कि व्रत की शुरुआत गलती से भी तैलीय वस्तुएं खाकर नहीं करें। इससे पूरे दिन आपको सिर दर्द या जलन रह सकती है। व्रत खोलते समय भी शुरुआत हल्का खाने से करें। पानी पर्याप्त मात्र में पिएं।

■ डॉक्टरों के मुताबिक गर्भवती महिलाओं को व्रत नहीं करना चाहिए। अगर आप किसी वजह से कोई खास दवा ले रही हैं, जिसका सेवन हर रोज जरूरी है, तो व्रत नहीं करें। ज्यादातर दवाओं को खाली पेट नहीं लिया जा सकता।

■ अपना ध्यान बांटने और व्रत की तैयारी करने का प्रयास करें। अपने दिनभर में किए जाने वाले कामों की सूची बना लें। इससे खीरियत नहीं होगी। विशेष रुप से महिलाएं रसोई, पूजन की तैयारी, साज-सज्जा व मनोरंजन में समय बिताएं।

■ सोने के बाद तेज भूख लगती है। ऐसे में व्रत के दौरान सोने से आपकी हालत और खराब हो सकती है। खासतौर पर लंबी नींद लेने से बचें।

■ कई बार व्रत करने वालों को फलाहार या फिर कूट्टू के आटे की पूरी खाने के बाद पेट में दर्द या कब्ज की शिकायत हो जाती है क्योंकि व्रत के दौरान खाई जाने वाली चीजों को हजम करने के लिए हमारे सामान्य एंजाइम्स तैयार नहीं होते। इससे बचने के लिए जरुरी है व्रत के दौरान एक साथ अधिक खाने की जगह थोड़-थोड़ खाएं।

नवरात्रि के पहले दिन का महत्व

नवरात्रि वर्ष में चार बार आती है। जिसमे चैत्र और आश्विन की नवरात्रियों का विशेष महत्व है। चैत्र नवरात्रि से ही विक्रम संवत की शुरुआत होती है। इन दिनों प्रकृति से एक विशेष तरह की शक्ति निकलती है। इस शक्ति को ग्रहण करने के लिए इन दिनों में शक्ति पूजा या नवदुर्गा की पूजा का विधान है। इसमें मां की नौ शक्तियों की पूजा अलग-अलग दिन की जाती है। पहले दिन मां के शैलपुत्री स्वरुप की उपासना की जाती है। इस दिन से कई लोग नौ दिनों या दो दिन का उपवास रखते हैं।

पहले दिन की पूजा का विधान

इस दिन से नौ दिनों का या उतरते-चढ़ते दो दिनों का व्रत रखा जाता है। जो लोग नौ दिनों का व्रत रखेंगे वो दशमी को पारायण करते हैं। जो पहली और अष्टमी को उपवास रखेंगे वो नवमी को पारायण करते हैं। इस दिन कलश की स्थापना करके अखंड ज्योति भी जला सकते हैं। प्रातः और सायंकाल दुर्गा सप्तशती का पाठ करें और आरती भी करें।

अगर सप्तशती का पाठ नहीं कर सकते तो नवार्ण मंत्र का जाप करें। पूरे दस दिन खान-पान आचरण में सात्विकता रखें। मां को आक, मदार, दूब और तुलसी बिल्कुल न चढ़ाएं। बेला, चमेली, कमल और दूसरे पुष्प मां को चढ़ाए जा सकते हैं।

कलश स्थापना का मुहूर्त

चैत्र महीने में मनाई जाने वाली नवरात्रि 08 अप्रैल से 16 अप्रैल तक मनाई जाएगी। 08 अप्रैल को सुबह 11:57 मिनट से लेकर 12:48 तक का समय कलश स्थापना के लिए शुभ है। समय का खास ख्याल रखें।

यमराज के खौफ और घर को विनाश से बचाने के लिए करें छोटा सा उपाय

वल वृक्ष हमें बचा सकते हैं लेकिन हम तो पेड़ काट कर बेच डालने के विशेषज्ञ हैं। कभी सड़क चौड़ी करने के नाम पर, कभी बांध बनाने के नाम पर, कभी बिजली की लाइन निकालने के नाम पर, कभी स्कूल-अस्पताल बनाने के नाम पर कितने पेड़ काट कर खा गए कोई हिसाब नहीं, नए पेड़ लगवाने के नाम पर बस रिकार्ड बुक में नाम छपवाने में माहिर हैं हम। गत पांच साल का ही लेखा-जोखा कर लें, कितने पेड़ लगे, कितने बाकी हैं? कितने पुराने पेड़ काट कर खा गए। राजमार्ग बनाने के नाम पर वन संपदा कितनी नष्ट कर दी हमने? कोई हिसाब नहीं हो सकता। धरती तो गर्म होगी ही। नाश भी होगा। तमाम पशु-पक्षी कीट सब समाप्त हो जाएंगे।

प्रकृति ने हमें सतत प्राणवायु प्रदान करने के लिए बरगद, पीपल आदि वृक्ष दिए। बरगद, पीपल को हिंदू आचार्यों ने धर्म से जोड़ दिया तो पाखड़ को इस्लामिक विद्वानों ने। कब्रिस्तान में पाखड़ के वृक्ष लगाने का प्रचलन हो गया। प्रकृति की अमूल्य संपदा सुरक्षित हो गई। पीपल तो किसी भी वृक्ष में अंकुरित होकर बड़ा हो जाता है, धरती तक जड़ें पहुंच जाती हैं आसानी से। बरगद इतनी आसानी से न तो उगता है, न ही बड़ा होता है। पीपल तो कहीं भी नाले के किनारे-दीवारों पर, छत पर उग जाता है।

बरगद के नीचे भगवान बुद्ध ने साधना की, ज्ञान प्राप्त किया, तमाम जैन तीर्थंकरों ने बरगद के नीचे ही साधना की। कितने ही सूफियों संतों ने पीपल बरगद के नीचे ही साधना की, कितनी ही मजारें आज भी बरगद के नीचे ही पाई जाती हैं।

बरगद में औषधीय गुण भी बहुत हैं। इसके दूध से शारीरिक कमजोरी दूर होती है, नपुंसकता तक दूर हो जाती है। इसकी छाल के चूर्ण के सेवन से डायबिटीज ठीक हो जाती है। इसके पत्तों का तेल लगाकर गर्म करके बांध लेने से शरीर के किसी भी भाग की सूजन दूर हो जाती है।

बरगद के पूजन से अकाल मृत्यु की संभावना कम हो जाती है। 'बढ़-मावस' का त्यौहार इसका प्रमाण है। बरगद का वृक्ष लगाने मात्र से आप अकाल मृत्यु से बच सकते हैं। बरगद का वृक्ष लगाना आसान है। किसी भी नदी के तट पर, स्कूल के परिसर में, अस्पताल के परिसर में, मंदिर में, नहर के किनारे, श्मशान में कहीं भी लगाया जा सकता है। कलम लगाइए, कुछ दिन सुरक्षा कीजिए, पशुओं से बचाइए, बाकी काम प्रकृत्ति स्वयं कर लेगी। तीन महीने में नए पत्ते निकल आएंगे। फिर तो यह वृक्ष ही प्राणी मात्र को छाया देगा, प्राणवायु देगा, ऊष्मा को कम करेगा।

भारत की 125 करोड़ की आबादी में से अगर एक करोड़ व्यक्ति भी इस वर्ष एक-एक बरगद लगा लें तो एक करोड़ नए बरगद, इस पृथ्वी को विनाश से बचा लेंगे। सूर्य को तो हम रोक नहीं पाएंगे लेकिन धरती को गर्म होने से जरूर बचा लेंगे।

क्या आपने अपने जीवनकाल में कहीं भी कोई भी बरगद वृक्ष सूखा देखा है? सूरज की गर्मी में जला देखा है? नहीं देखा होगा। मानव की आयु से अधिक, बहुत अधिक आयु होती है बरगद की। बरगद लगाकर आप प्राणी मात्र की सहायता करते हैं। बरगद सेवा से आप अकाल मृत्यु से बचते हैं।

बरगद की कलम खुले स्थान पर लगाएं और घर के अंदर बरगद की बोनसाई बनाकर घर को सुंदर बनाएं। बोनसाई नहीं भी बना सकते तो गमले में लगाकर घर में रखें। घर का वातावरण शुद्ध रहेगा। घर के बरगद का पूजन भी कीजिए। बरगद को अभिमंत्रित कर दीजिए महामृत्युंजय से, गायत्री मंत्र से, रामरक्षा स्तोत से, शिव कवच से, दुर्गा कवच से। अभिमंत्रित बरगद घर में लगाकर तो देखें, विनाश से बचे रहेंगे।

घर में एक नहीं, अनेक बरगद उगाइए, बोनसाई के रूप में, गमले में, पुराने कपों में, गिलासों में, छोटे से गमलों में, पुराने सुंदर प्लास्टिक के डिब्बों में लगाकर देखें। घर की सुंदरता बढ़ेगी, शुभ होगा। विवाह समारोह हो, वर्षगांठ हो, संतान का जन्म हो, या किसी का स्वर्गारोहण, उस पल को जीवंत बनाए रखें, बरगद का वृक्ष लगाकर।

हनुमान जी जैसा जीवन चाहते हैं तो करें खास काम और दान

हम जो कमाते हैं उसमें बहुत से लोगों का हाथ होता है। उस कमाई में जिसका जो-जो हिस्सा होता है, वो हमें दे देना चाहिये नहीं तो प्रकृति दूसरे तरीकों से, उसे हमसे छीन कर दे देती है। जैसे, माता-पिता ने हमें पढ़ाया-लिखाया, बड़ा किया। आज हम जो कमा रहे हैं, कमाने लायक हुए हैं, उसमें उनका हिस्सा है। हमारे पड़ोसी, हमारे मित्र, रिश्तेदार, इत्यादि चाहे वे आज दुनियां में हैं अथवा नहीं हैं, ऐसे बहुत से लोगों का हिस्सा है, उस धन की कमाई में जो हम आज कर रहे हैं इसलिये सब का हिस्सा देना चाहिये। सनातन धर्म में इसलिए यह विधान दिया गया की आपके घर में किसी भी प्रकार का अनुष्ठान हो उसमें अपने मित्रों को, रिश्तेदारों को, पड़ोसियों को बुलाना चाहिये। भोजन-प्रसाद के लंगर लगाने चाहियें। इसका कारण यह है की आप जिन-जिन के ऋणी हैं, उनके ऋण से उऋण हो जायें अथवा आप को मौका मिलेगा की आप पुण्य कमायें।

दान विभिन्न प्रकार के हैं जैसे भोजन दान। आप किसी को भोजन करवाएं तो वो आपका दिल से शुक्रगुज़ार होगा। दिल से आपका धन्यवाद देगा। किन्तु जब छह-सात घंटे बाद उसको दोबारा भूख लगेगी तो फिर वो हाथ पसारेगा। आपके आगे नहीं पसारेगा तो कहीं और पसारेगा।

अगर किसी को पढ़ाया जाये निःस्वार्थ भाव से स्कूल/कालेज में पढ़ाया जाये अथवा स्कूल-कालेज ही खोल दिये जायें जहां पर मुफ्त शिक्षा दी जाती हो, तो इसकी महिमा और भी ज्यादा है क्योंकि अगर एक व्यक्ति समर्थ हो गया अपने पैरों पर खड़ा हो गया धन कमाने के लिये तो वो किसी के आगे हाथ नहीं पसारेगा बल्कि कई हाथ पसारने वालों की सहायता कर सकता है इसलिए कई बार अन्न दान से शिक्षा दान की महिमा को ज्यादा बखान किया जाता है। औषधि दान की अपनी महिमा है। अब कोई बिमार ही हो गया तो पढ़ाई क्या करेगा? इसलिये औषधि दान की अपनी महिमा है। इस प्रकार बहुत से दान हैं। अन्न दान, वस्त्र दान, शिक्षा दान, भुमि दान, कन्या दान, इत्यादि। दुनियां में प्रचलित सभी दानों में सर्वश्रेष्ठ दान है %अभय दान%। अर्थात् व्यक्ति की सहायता करके उसे ऐसी स्थिति पर पहुंचा देना, जहां पर उसे कोई डर न हो, किसी भी प्रकार का अभाव न हो। यह स्थिति तब आती है जब किसी का भगवान के श्रीचरणों में अनुराग हो जाये। किसी की आत्म-वृत्ति जागृत हो जाये तो यहां पर भी सुखी है और वहां पर भी। ऐसा व्यक्ति जब दुनियाँ से कूच करता है तो परलोक में भी भगवान की सेवा में नियोजित रहता है, आनन्द में रहता है। जैसे श्री हनुमान जी वे हर समय भगवान श्रीराम की सेवा में रहते हैं। उनको कोई अभाव नहीं, किसी प्रकार का उन पर कोई प्रभाव नहीं बल्कि उनका स्मरण करने से दूसरों के सारे प्रभाव-अभाव चले जाते हैं। तो, किसी को भगवान का भक्त बनाना, किसी को भगवान का भक्त बनने में सहायता करना, इसके लिये कोशिश करना ही सभी दानों से श्रेष्ठ दान है।

आज विश्व में जो श्रीहरिनाम संकीर्तन चल रहा है, उसके मूल में हैं जगद्गुरु श्रील भक्ति सिद्धान्त सरस्वती गोस्वामी ठाकुर प्रभुपादजी। वे कहा करते थे जीव की बहिर्मुख रुचि को बदलना ही सर्वापेक्षा, जो दयालु व्यक्ति हैं उनका एकमात्र कर्तव्य है। माया के जाल से एक जीव की भी रक्षा कर सको तो अनन्त कोटि अस्पताल बनाने की अपेक्षा अनन्त कोटि परोपकार का कार्य होगा क्योंकि जिसको भी आप भोजन दान या भुमि दान या वस्त्र दान या कन्या दान कर रहे हैं, उससे वो 84 लाख योनियों के चक्कर से मुक्त नहीं हो रहा है। यदि एक बार कोई अभय दान को प्राप्त कर ले तो वो दुनियां के सारे चक्करों से मुक्त हो कर भगवद् धाम में चला जायेगा।

ये चीज़ें हमेशा नहीं टिकती

कई चीजें ऐसी होती हैं, जो मनुष्य को बहुत प्रिय होती है। उन्हें पाने या उस पर हमेशा अधिकार बनाए रखने के लिए वह बहुत कोशिश करता है, लेकिन एक समय आने पर वह वस्तु उससे दूर हो ही जाती है। शुक्रनीति में ऐसी ही 6 वस्तुओं के बारे में बताया गया हैं, जिन्हें हमेशा अपने पास बनाए रखना किसी के लिए भी संभव नहीं है। शुक्रनीति एक प्रसिद्ध नीतिग्रन्थ है। इसकी रचना दानवों के गुरु शुक्राचार्य ने की थी।

।। श्लोक ।।

'यौवनं जीवितं चित्तं छाया लक्ष्मीर्ध्व स्वामिता।
चंचलानि षडेतानि ज्ञात्वा धर्मरतो भवेत।।'

यौवन और रूप

हर कोई चाहता हैं कि उसका रूप-रंग हमेशा ऐसे ही बना रहे, वो कभी बूढ़ा न हों, लेकिन ऐसा होना किसी के लिये भी संभव नहीं होता है। यह प्रकृति का नियम है कि एक समय के बाद हर किसी का युवा अवस्था उसका साथ छोड़ती ही है। अब हमेशा युवा बने रहने के लिए मनुष्य चाहे कितनी ही कोशिशें कर ले, लेकिन ऐसा नहीं कर पाता।

जीवन

जन्म और मृत्यु मनुष्य जीवन के अभिन्न अंग है। जिसका जन्म हुआ है, उसकी मृत्यु निश्चित ही है। कोई भी मनुष्य चाहे कितने ही पूजा-पाठ कर ले या दवाइयों का सहारा ले, लेकिन एक समय के बाद उसकी मृत्यु होगी ही। इसलिए, अपने या अपने किसी भी प्रियजन के जीवन से मोह बांधना अच्छी बात नहीं है।

मन

हर किसी का मन बहुत ही चंचल होता हैं, यह मनुष्य की प्रवृत्ति होती है। कई लोग कोशिश करते हैं कि उनका मन उनके वश में रहे, लेकिन कभी न कभी उनका मन उनके वश से बाहर हो ही जाता है और वे ऐसे काम कर जाते हैं, जो उन्हें नहीं करना चाहिए। कुछ लोगों का मन धन-दौलत में होता है तो कुछ लोगों का अपने परिवार में। मन को पूरी तरह से वश में करना तो बहुत ही मुश्किल है, लेकिन योग और ध्यान की मदद से काफी हद तक मन पर काबू पाया जा सकता है।

परछाई

मनुष्य की परछाई उसका साथ सिर्फ तब तक देती है, जब तक वह धूप में चलता है। अंधकार आते ही मनुष्य की छाया भी उसका साथ छोड़ देती है। जब मनुष्य की अपनी छाया हर समय उसका साथ नहीं देती ऐसे में किसी भी अन्य व्यक्ति से इस बात की उम्मीद नहीं रखनी चाहिए कि वे हर समय हर परिस्थिति में आपका साथ देंगे।

डांस-एक्शन फिल्म में नजर आएंगे अजय देवगन-सूरज पंचोली

अभिनेता अजय देवगन और एक फिल्म में नजर आ चुके सूरज पंचोली एक डांस-एक्शन फिल्म में नजर आने वाले हैं। अजय और टी-सीरीज के भूषण कुमार द्वारा संयुक्त रूप से निर्मित इस फिल्म का निर्देशन कोरियोग्राफर-फिल्मकार रेमो डी'सूजा करेंगे। प्रेसिडेंट (फिल्म्स) टी-सीरीज ने ट्वीटर पर घोषणा की है कि अजय देवगन और सूरज पंचोली डांस-एक्शन एक आधारित फिल्म में नजर आएंगे। फिल्म का निर्देशन रेमो डी'सूजा करेंगे। इसका निर्माण अजय और भूषण कुमार संयुक्त रूप से करेंगे।

'सिंघम' के 47 वर्षीय अभिनेता पहली बार 'एबीसीडी 2' निर्देशक के साथ काम करने जा रहे हैं। पिछले साल 'हीरो' फिल्म से अपने कैरियर की शुरूआत करने वाले सूरज 25 की यह दूसरी फिल्म होगी। अजय इस समय अपनी महत्वाकांक्षी निर्देशकीय फिल्म 'शिवाय' को पूरा करने में व्यस्त हैं जबकि रेमो ने टाइगर श्राफ की 'ए फ्लाइंग जाट' फिल्म का निर्देशन लगभग पूरा कर लिया है।

हीथ्रो एयरपोर्ट पर रोके गए अभिनेता अक्षय कुमार

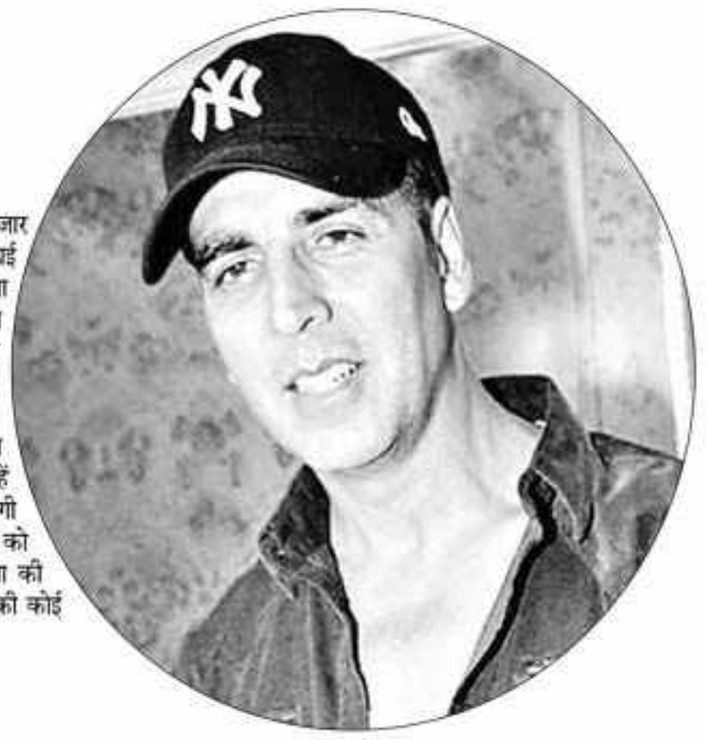

अभिनेता अक्षय कुमार को हीथ्रो हवाईअड्डे पर कुछ देर इंतजार करना पड़ा क्योंकि ब्रिटिश आव्रजन अधिकारी उनके कनाडाई पासपोर्ट के संबंध में जानकारी जुटा रहे थे। 48 वर्षीय अभिनेता अपनी फिल्म 'रूस्तम' की शूटिंग के लिए गुरुवार को मुंबई से लंदन पहुंचे थे, लेकिन हवाईअड्डे पर उन्हें करीब डेढ़ घंटे इंतजार करना पड़ा। दरअसल अधिकारी ब्रिटेन में प्रवेश के लिए कनाडाई नागरिकों के लिए आवश्यक एंट्री की जांच कर रहे थे।

अभिनेता के एक करीबी सूत्र ने बताया कि ऐसा दावा किया जा रहा है कि अक्षय कुमार को रोका गया था, जो बिल्कुल गलत है। उन्हें बस कुछ देरी हुई थी, जिसके लिए आव्रजन विभाग ने माफी मांगी और उनका दिन सामान्य रहा। कनाडा के नागरिक अक्षय कुमार को पर्यटन या व्यवसाय हेतु 90 दिन की ब्रिटेन यात्रा के लिए वीजा की जरूरत नहीं है। अभी तक इस मामले पर ब्रिटेन के गृह मंत्रालय की कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

करिश्मा और संजय कपूर में बनी तलाक की शर्तों पर सहमति

बॉलीवुड अभिनेत्री करिश्मा कपूर और उनके पति कारोबारी संजय कपूर में तलाक की शर्तों के लेकर सहमति बन गई हैं। सुप्रीम कोर्ट ने 'रजामंदी शर्तों' को अपने रिकॉर्ड में रख लिया है। शर्तों के अनुसार, दोनों बच्चे करिश्मा के पास ही रहेंगे। पति संजय के पास छुट्टियों में बच्चों से मिलने का अधिकार होगा। केस की सुनवाई जस्टिस एके सीकरी और जस्टिस आरके अग्रवाल की पीठ के सामने बंद कमरे में हुई। सुनवाई के बाद करिश्मा की ओर से पेश अधिवक्ता संदीप कपूर ने कहा कि दंपति के बीच सभी लंबित विवाद आपसी सहमति से सुलझा लिए गए हैं। करिश्मा अब संजय के खिलाफ घरेलू हिंसा निवारण कानून के तहत दर्ज मामला दो हफ्ते में वापस लेने पर सहनत हो गई हैं। वकील ने कहा कि बंद कमरे में कार्यवाही में उनके पति के वकील भी मौजूद थे। उन्होंने कहा, 'हम ने भादंसं की धारा 498 ए (महिला क्रूरता) के तहत मुंबई की एक निचली अदालत में हमारे द्वारा शुरू की गई आपराधिक कार्यवाही को खत्म करने पर सहमति जताई और शीर्ष अदालत ने इसे इसी के अनुरूप निरस्त किया।' उन्होंने कहा कि करिश्मा के पति के पास छुट्टियों के दौरान अपने दोनों बच्चों से मिलने का अधिकार होगा। इस समझौते से ठीक एक महीने पहले आठ मार्च को दंपति ने शीर्ष अदालत को बताया था कि उन्होंने इस मामले के वित्तीय पहलुओं के संबंध में आपसी समाधान निकाल लिया है और संजय के बच्चों से मिलने जैसे विषयों को भी सुलझाया जाएगा।

ऐश्वर्या और सलमान खान आमने-सामने, 14 अप्रैल को होगी टक्कर

14 अप्रैल को ऐश्वर्या राय और उनके पूर्व बॉयफ्रेंड सलमान खान आमने-समाने होंगे। हालांकि, वे असल जिंदगी में एक दूसरे के आमने-सामने आने से बचते हैं। लेकिन 14 अप्रैल को वे स्क्रीन पर एक-दूसरे के आमने-सामने होंगे। ट्विटर पर सरबजीत मूवी का चौथा पोस्टर जारी करते हुए डायरेक्टर उमंग कुमार ने शुक्रवार को मूवी के ट्रेलर की तारीख की घोषणा की। ऐश्वर्या राय ने इस मूवी में अभिनय किया है। मूवी का ट्रेलर 14 अप्रैल को रिलीज होगा। वहीं गुरुवार को डायरेक्टर अली अब्बास जफर ने भी ट्विटर पर सुल्तान मूवी के टीजर की तारीख की घोषणा की थी। सुल्तान में सलमान खान ने अभिनय किया है। इस मूवी का टीजर 14 अप्रैल को जारी होगा। सरबजीत नाम के किसान की कहानी है, जो शराब के नशे में भारत की सीमा पार करके पाकिस्तान पहुंच जाता है और उसे एक भारतीय जासूस समझा जाता है। उसे 23 साल तक जेल में उस वक्त तक रखा जाता है, जब तक कैद में उसकी मौत नहीं हो जाती। ऐश इसमें सरबजीत की बहन दलबीर कौर की भूमिका निभा रही हैं। वहीं दूसरी ओर सुल्तान मूवी में सलमान खान पहलवान सुल्तान अली खान की भूमिका निभा रहे हैं। एक ऐसे पहलवान की कहानी है जिसे प्रोफेशनल और पर्सनल लाइफ में काफी दिक्कतें हैं। इस तरह दलबीर कौर और सुल्तान अली खान 14 अप्रैल को एक दूसरे के आमने-सामने होंगे।

'कानून पालन करने वाला नागरिक, आयकर विभाग के साथ कर रहा हूं सहयोग'

अभिनेता अमिताभ बच्चन ने कहा कि वह देश के कानून के पाबंद नागरिक हैं और आयकर विभाग के साथ सहयोग कर रहे हैं। एक अखबार के लेख के संदर्भ में उन्होंने यहां एक बयान में कहा, ''मैं कहना चाहता हूं कि लेख में मुझसे जुड़े एक मामले को उठाया गया है जिस पर आयकर और प्रवर्तन विभाग पिछले छह-सात साल से जांच कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''मैंने उनके भेजे सवालों और नोटिसों के गंभीरता से जवाब दिये। मैं देश के कानून का पाबंद नागरिक हूं।'' बिगबी ने पनामा में एक कंपनी में शामिल होने की बात से एक बार फिर इनकार किया। उन्होंने कहा, ''मैं पनामा पेपर्स की खबरों पर दोहराना चाहता हूं कि मैं चार कंपनियों के बोर्ड में निदेशक नहीं रहा हूं जैसा कि पहले एक रिपोर्ट में आया था।''73 वर्षीय अभिनेता ने कहा, ''मुझे खुशी है कि भारत सरकार ने इस मुद्दे पर पूरी तरह जांच शुरू कराई है। जिसके लिए मैं खुद जानना चाहता हूं कि इन चार कंपनियों के सिलसिले में मेरा नाम कैसे आया।''

रितिक की 'मोहन जोदड़ो' तैयार, 12 अगस्त को होगी रिलीज

अभिनेता रितिक रोशन की बहुप्रतीक्षित फिल्म ''मोहन जोदड़ो'' 12 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। ''बैंग बैंग'' के सितारे ने आशुतोष गोवारिकर निर्देशित फिल्म की शूटिंग खत्म होने की सूचना और इसकी रिलीज की तारीख की घोषणा ट्विटर पर की। रितिक ने ट्वीट किया, ''चरित्र की मजबूती की कसौटी परखने वाली एक ऐसी यात्रा जिस पर आपको निश्चित ही गर्व होगा। पूजा हेगड़े के साथ मोहन जोदड़ो की शूटिंग खत्म हुई।'' अभिनेता ने अपनी एक तस्वीर भी पोस्ट की है जिसमे वह रिलीज की तारीख लिखा हुआ क्लैप बोर्ड पकड़े हुए नजर आ रहे और उनके पीछे ''लगान'' के फिल्मकार मौजूद हैं। फिल्म से पूजा हेगड़े बॉलीवुड में अपनी शुरूआत कर रही हैं और जाने माने अभिनेता कबीर बेदी ने भी इसमें अभिनय किया है। यह फिल्म पाकिस्तान के सिंध में 2600 ईस्वी पूर्व मौजूद सिंधु घाटी सभ्यता के युग में प्राचीन शहर मोहन-जोदड़ो की पृष्ठभूमि पर आधारित साहस और प्रेम की एक महागाथा है। 2008 में प्रदर्शित ''जोधा अकबर'' के बाद रितिक दूसरी बार गोवारिकर के साथ काम कर रहे हैं।